RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

शुक्रवार 05 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:02 बजे
सूर्यास्त सांय 18:39 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अब जब कोई और मुद्दा नहीं तो गाली का बनाओं!

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 321 | गाजियाबाद, शुक्रवार 05 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CSDC | Paytm | Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

केंद्र, मणिपुर ने कुकी-जो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए; क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रहेगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र और मणिपुर सरकार ने बृहस्पतिवार को कुकी-जो समूहों के साथ एक नए समझौते पर हश्ताक्षर किए हैं, जिसमें सभी पक्ष मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने, राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को मुक्त आवागमन के लिए खोलने और उग्रवादी शिविरों को स्थानांतरित करने पर सहमत हुए हैं। त्रिपक्षीय 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' (एसओओ) समझौते में आधारभूत नियमों पर पुनः बातचीत की गई है। तीनों पक्षों ने मणिपुर में स्थायी शांति एवं स्थिरता लाने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान की आवश्यकता पर भी सहमति व्यक्त की। साथ ही निर्धारित शिविरों की संख्या को कम करने, हथियारों को निकटतम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)/सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) शिविरों में सौंपने और विदेशी नागरिकों (यदि कोई हो) को सूची से हटाने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा उग्रवादियों के कड़े भौतिक सत्यापन पर भी सहमति व्यक्त की। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, एक संयुक्त निगरानी समूह आधारभूत नियमों के प्रवर्तन पर बारीकी से नजर रखेगा और भविष्य में उल्लंघनों से सख्ती से निपटेगा।

आतंकी वित्तपोषण मामला : कोर्ट का कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह को अंतरिम जमानत से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने आतंकी वित्तपोषण के मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को बृहस्पतिवार को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। जज विक्रम नाथ और जज संदीप मेहता की पीठ ने हालांकि मामले में जमानत देने से इनकार करने संबंधी उच्च न्यायालय के 12 जून के आदेश को चुनौती देने वाली शाह की याचिका पर केंद्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को नोटिस जारी कर उसे दो सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा। शब्बीर अहमद शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ''बेहद बीमार'' है। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, ''कोई अंतरिम जमानत नहीं मिलेगी।'' सुनवाई शुरू होने पर पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली शब्बीर अहमद शाह की याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया।

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को ईडी ने किया तलब, ऑनलाइन बेटिंग ऐप केस में होंगे सवाल-जवाब

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन को बृहस्पतिवार को एक कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए समन किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी 'वन एक्स बेट' नामक एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी इस जांच के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। क्रिकेटर शिखर धवन से बेटिंग ऐप मामले में पूछताछ थोड़ी देर में शुरू होगी। ED दफ्तर में फिलहाल शिखर धवन कागजी कर्यवाई पूरी कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि 39 वर्षीय पूर्व भारतीय क्रिकेटर कुछ विज्ञापनों के ज़रिए इस ऐप से जुड़े हैं। ईडी पूछताछ के दौरान इस ऐप से उनके संबंधों को समझना चाहता है। कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये चोरी करने का आरोप एजेंसी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से जुड़े ऐसे कई मामलों की जांच कर रही है जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी कर चोरी का आरोप है। पिछले महीने पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना से इस मामले में पूछताछ की गई थी। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर वाश्तविक धन वाली ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दलितों के केस में CJI ने खींची लक्ष्मण रेखा

अग्रिम जमानत पर लगाई शर्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एक अहम फैसले के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचाक निवारण अधिनियम के तहत अग्रिम जमानत तभी स्वीकार्य की जा सकती है, जब प्रथम दृष्टया यह साबित हो सके कि यह साबित किया जा सकते कि इस अधिनियम के तहत कोई अपराध नहीं किया गया है।

सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को कमजोर वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से लाया गया था और यह आरोपी को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत देने पर रोक लगाता है। इसके साथ ही पीठ ने जातिगत अत्याचार के आरोपों का सामना कर रहे एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने संबंधी बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया।

पीठ ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 18 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रावधान स्पष्ट रूप से दंड प्रक्रिया संहिता (CRPC) की धारा 438 (अग्रिम जमानत देने संबंधी) को लागू नहीं करने के बारे में है और इसे धारा के तहत दायर आवेदनों को सुनवाई से बाहर करने का प्रावधान करता है।

कोर्ट ने कहा कि इस प्रावधान के साथ ही SC/ST एक्ट की धारा 18 आरोपी को अग्रिम

जमानत देने पर रोक लगाती है।

दरअसल, चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के वी चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ये फैसला दिया। बता दें कि बेंच बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने वाले आदेश को रद्द कर दिया। बता दें कि शख्स पर कथित तौर पर अपीलकर्ता को उसके जाति के नाम का उल्लेख करके सार्वजनिक रूप से गाली दी थी और अपमानित किया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बताया जा रहा है कि जस्टिस अंजारिया द्वारा लिखित फैसले में यह उल्लेख किया गया कि प्रथम दृष्टया मामला एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3 के तहत दंडनीय अपराधों के तत्वों के आधार पर बनता है। कहा गया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता को लोहे की छड़ से पीटा और उसके घर को जलाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता की मां और चाची के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया। साथ ही उन्हें भी जातिवादी गाली से संबोधित किया गया। आरोपी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को उसके जाति के नाम से अपमानित किया था। इसके साथ ही घर जलाने की धमकी भी दी थी। इस दौरान 'मंगत्यानो' शब्द का इश्तेमाल साफ तौर से शिकायतकर्ता को अपमानित करने के इरादे से किया गया। यह अपमान इसलिए किया गया क्योंकि शिकायतकर्ता ने आरोपी की इच्छा के अनुसार, विधानसभा चुनाव में एक विशेष उम्मीदवार को वोट नहीं दिया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने साफ किया कि पहली नजर में यह मामला बनता है या नहीं यह तय किए जाने के समय निचली अदालतें मिनी ट्रायल करके साक्ष्य के दायरे में नहीं आ सकती है। कोर्ट ने साफ किया कि अपराध प्रथम दृष्टया न बनना एक ऐसी स्थिति है, जहां पर न्यायालय केवल एफआईआर में दिए गए बयानों से ही इस नतीजे पर पहुंच सकती है। इस प्रकार के मामलों में एफआईआर में दिए गए आरोप काफी निर्णाय होंगे।

राहुल के ब्यान के बाद जागे मंत्री, अमृतसर पहुंचे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पंजाब में जलप्रलय की स्थिति है। इस स्थिति का आंकलन करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पंजाब का दौरा करने के लिए भेजा गया है। गुरुवार सुबह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अमृतसर पहुंचे। उन्होंने बताया कि दो केंद्रीय टीमों को पहले ही मौके पर डिप्लॉय किया गया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अमृतसर पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करते हुए एक रिपोर्ट केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपी। इसके बाद, अमृतसर एविएशन क्लब में भाजपा की लीडरशिप की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील कुमार जाखड़ और भाजपा महासचिव तरुण चुघ मौजूद थे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पूरे देश को पंजाब पर गर्व है। जब भी देश पर कोई संकट आया है, पंजाब ने उसे सबसे पहले अपने सीने पर उठाया है। इस चुनौतीपूर्ण समय में केंद्र सरकार पूरी तरह से पंजाब के साथ खड़ी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने के लिए भेजा है। वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, वहां की स्थिति का गहराई से अध्ययन करेंगे और इसके आधार पर प्रधानमंत्री को रिपोर्ट सौंपेंगे।" उन्होंने फिर दोहराते हुए कहा कि यह संकट की घड़ी में केंद्र सरकार पंजाब के साथ खड़ी है।

चूहों के काटने से बच्चियों की मौत हत्या है, मोदी और मोहन यादव शर्म करें : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के काटने से दो नवाजत बच्चियों की मौत को बृहस्पतिवार को ''हत्या'' करार दिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को सरकार चलाने का क्या हक है जो नवजात बच्चों की सुरक्षा तक नहीं कर सकते।

इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के काटने से दो नवाजत बच्चियों की मौत हो गई है। हालांकि, एमवायएच प्रशासन ने इससे इनकार किया है। उसका दावा है कि दोनों नवजात बच्चियों की मौत के मामले का चूहों के काटने से कोई लेना-देना नहीं है।

राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ''इंदौर में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत हुई। यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधे-सीधे हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर ही रूह कांप जाए।''

उन्होंने कहा कि एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

राहुल गांधी ने दावा किया कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को जानबूझकर निजी हाथों में सौंपा गया, जिससे इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं। उन्होंने कहा, ''प्रशासन हर बार की तरह कहता है कि "जांच होगी", लेकिन सवाल यह है जब आप नवजात बच्चों की सुरक्षा तक नहीं कर सकते, तो सरकार चलाने का क्या हक़ है?''

कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए क्योंकि उनकी सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीन लिया है और अब मां की गोद से बच्चे तक छीनने लगा है।

राहुल गांधी ने कहा, ''मोदी जी, यह आवाज़ उन लाखों मां-बाप की तरफ से उठ रही है जो आज सरकारी लापरवाही का शिकार हो रहे हैं। क्या जवाब देंगे? हम चुप नहीं रहेंगे। यह लड़ाई हर गरीब, हर परिवार, हर बच्चे के हक़ की है।''

भारत और सिंगापुर ने संबंधों को मजबूत बनाने और उनका दायरा बढ़ाने के लिए तैयार किया रोड मैप : PM

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद साझा प्रेस वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को लेकर हमारी चिंताएं समान हैं। हमारा मानना है कि सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है कि वे एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करें।

मैं पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत के लोगों के प्रति व्यक्त की गई संवेदनाओं और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में उनके समर्थन के लिए प्रधानमंत्री वांग और सिंगापुर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हरित और डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर के लिए हुए समझौते से समुद्री क्षेत्र में हरित ईंधन आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल बंदरगाह निकासी को बढ़ावा मिलेगा।

भारत अपने बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें सिंगापुर का अनुभव बेहद उपयोगी है। आज हमने सिंगापुर की कंपनी पीएसए इंटरनेशनल की ओर से विकसित भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। इससे हमारी कंटेनर हैंडलिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। सिंगापुर हमारी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण श्तंभ है। हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और शांति एवं स्थिरता के संयुक्त दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आसियान के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे संबंध कूटनीति से कहीं आगे तक जाते हैं। यह एक उद्देश्यपूर्ण साझेदारी है, जो साझा मूल्यों पर आधारित है, आपसी हितों से निर्देशित है। यह शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित है।' इससे पहले साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा, 'आज दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

सिंगापुर से भारत में बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। लोगों के बीच संबंध गहरे और जीवंत हैं। आज हमने अपनी साझेदारी के भविष्य के लिए

एक विश्तृत रोडमैप तैयार किया है। हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के साथ उन्नत विनिर्माण, हरित नौवहन, कौशल विकास, नागरिक, परमाणु और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग का केंद्र बिंदु बनेंगे।'

प्रधानमंत्री ने कहा, '...सिंगापुर के प्रधानमंत्री बनने के बाद लॉरेंस वोंग की पहली भारत यात्रा पर मैं उनका स्वागत करता हूं। यह यात्रा और भी खास है क्योंकि हम भारत-सिंगापुर संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। सिंगापुर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान हमने अपने संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमने तय किया है कि आपसी व्यापार को गति देने के लिए द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और आसियान के साथ हमारे मुक्त व्यापार समझौते की समयबद्ध समीक्षा की जाएगी। हमारे राज्य भी भारत-सिंगापुर संबंधों में महत्वपूर्ण हितधारक होंगे।

जनवरी में जब राष्ट्रपति थर्मन भारत आए थे, तो उन्होंने ओडिशा का भी दौरा किया था। पिछले एक साल में ओडिशा, तेलंगाना, असम और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने सिंगापुर का दौरा किया है। गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी हमारे शेयर बाजारों को जोड़ने वाला एक और नया सेतु बन गया है। पिछले साल हश्ताक्षरित सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम साझेदारी समझौते ने भी अनुसंधान और विकास को एक नई दिशा दी है।

हरियाणा एसटीएफ की बड़ी कामयाबी, कुख्यात अपराधी मेनपाल बादली कंबोडिया से गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सात लाख रुपए के इनामी कुख्यात अपराधी मैनपाल बादली को कंबोडिया से डिपोर्ट करवाकर गिरफ्तार किया है।

मैनपाल बादली, जो हत्या और अन्य संगीन अपराधों के 22 मामलों में वांछित था, साल 2018 में पेरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फर्जी दश्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाकर देश से फरार हो गया था। कंबोडिया में वह सोनू कुमार के फर्जी नाम से बिजनेस चला रहा था।

फिलहाल, उसे अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है, जहां पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा एसटीएफ के आईजी सतीश बालन ने बताया कि मैनपाल बादली पर हत्या, हत्या का प्रयास, लूट और डकैती जैसे गंभीर अपराधों के 22 मामले दर्ज हैं। इनमें से तीन हत्या के मामलों में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। साल 2007 में दो हत्याओं और 2010 में एक अन्य हत्या के मामले में उसे उम्रकैद हुई थी।

इसके अलावा, भोंडसी जेल में रहते हुए उसने एक कैदी की हत्या कर दी थी, जिसके चलते उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। इस मामले में उसके दो साथियों को सजा हो चुकी है लेकिन मैनपाल बादली फरार था। हरियाणा पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए पांच लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

आईजी सतीश बालन ने बताया कि कुछ समय पहले एसटीएफ को सूचना मिली थी कि मैनपाल बादली ने फर्जी दश्तावेजों के आधार पर सोनू कुमार के नाम से पासपोर्ट बनवाया और कोलकाता हवाई अड्डे से बैंकॉक होते हुए कंबोडिया भाग गया।

नीति आयोग ने 12 जिलों में शुरू किया 'ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव', पायलट प्रोग्राम

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

स्वतंत्र भारत की विकास योजनाओं के अंतर्गत मानव संसाधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नीति आयोग द्वारा एडीपी/एबीपी ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव की शुरुआत की गई है।

इस बात की जानकारी नीति आयोग ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल के जरिए दी है। इस पहल का औपचारिक शुभारंभ नीति आयोग में किया गया और यह सबसे पहले देश के 12 अस्पिरेशनल जिलों में पायलट श्तर पर लागू की जाएगी। इस कार्यक्रम की देखरेख नेशनल टास्क फोर्स ऑन ब्रेन हेल्थ द्वारा की जाएगी।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने इस अभिनव इनिशिएटिव का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम कुछ महत्वपूर्ण की शुरुआत का 'इंजेक्शन पॉइंट' है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत की दृष्टि के अनुसार, मजबूत स्वास्थ्य ढांचा निर्माण भारत की जनशक्ति को पूर्ण रूप से उपयोग में लाने की कुंजी है।

उन्होंने यह भी कहा कि पहले जहां स्वास्थ्य योजनाएं संक्रामक रोगों पर ज्यादा केंद्रित थीं, अब गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और यही आवश्यक परिवर्तन एडीपी/एबीपी ब्रेन हेल्थ इनिशिएटिव द्वारा संभव होगा।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने अपने विशेष संबोधन में आयोग के तहत लागू विभिन्न विशेष पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देशवासियों की अच्छी जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत चिकित्सा प्रणाली की आवश्यकता अनिवार्य है।

आईएसबीएएस के निदेशक और नेशनल टास्क फोर्स ऑन ब्रेन हेल्थ के अध्यक्ष डॉ. राजिंदर के. धमीजा ने बताया कि दुनिया में हर तीन में से एक व्यक्ति ब्रेन-रिलेटेड बीमारियों (मश्तिष्क संबंधी रोगों) से प्रभावित है। यह आंकड़ा इस पहल की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है।

एडीपी/एबीपी, नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव और मिशन निदेशक रोहित कुमार ने अपनी बात में इस पहल का विश्तृत अवलोकन दिया। उन्होंने बताया कि कैसे अस्पिरेशनल जिलों को इस पहल में शामिल कर जागरूकता, रोकथाम एवं समेकित कार्रवाई के माध्यम से ब्रेन हेल्थ को सुदृढ़ करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

बाढ़ और अवैध पेड़ कटाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उत्तर भारत के कई राज्यों में आई बाढ़ और भूस्खलन पर गंभीर चिंता जताई है।

अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए चार राज्यों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने जिन चार राज्यों को नोटिस जारी किया, उसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। कोर्ट ने इन राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी कर उनसे दो हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई की गई है और यही हालिया आपदा का एक बड़ा कारण हो सकता है।

अदालत ने मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि हमने हिमाचल प्रदेश के दृश्य देखे, जहां बड़ी संख्या में लकड़ी के गट्ठर बाढ़ में बहते हुए नजर आए। यह अनियंत्रित पेड़ कटाई का संकेत है। वहीं, पंजाब में खेत और गांव तबाह हो गए हैं। विकास जरूरी है, लेकिन वह संतुलित होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मामले की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमने प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ की है कि अब प्रकृति हमें उसका जवाब दे रही है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर वे पर्यावरण मंत्रालय के सचिव से बात करेंगे और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से भी संवाद स्थापित करेंगे।

नगीना थाना प्रभारी ने पेट्रोल पंप स्वामी के साथ की बैठक, बिना हेलमेट पहने किसी को भी तेल ना दे : तोमर

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सभी पेट्रोल पंप मालिकों के साथ नगर के पंकज अग्रवाल पेट्रोल पंप पर पंकज अग्रवाल दिग्विजय सिंह उर्फ डिग्गी बाबू पूर्व सांसद मुंशी रामपाल नीरज गर्ग अमरजीत सिंह रामपाल सिंह शरद गर्ग के साथ नगीना थाना प्रभारी संजय कुमार तोमर ने सभी पेट्रोल पंप स्वामियों से वार्ता की। सभी को निर्देश दिए के सभी अपने अपने पेट्रोल पंप के सेल्समैनों को अवगत करा दे कि वह किसी भी दशा में पेट्रोल पंप पर आने वाले ग्राहकों को बिना हेलमेट के किसी को भी पेट्रोल या डीजल उपलब्ध न कराये। क्षेत्र के सभी लोगों को अवगत कराया जाता है कि वह दो पहिया वाहन पर हेलमेट लगा कर चले। यदि कोई पेट्रोल पंप के आसपास दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट के चलता हुआ पाया गया तो उसके विरुद्ध विधि कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी संजय कुमार तोमर के इस आदेश से बिना हेलमेट के चलने वाले लोगों में हड़कम्प मच गया।

जन्मदिन की पार्टी में शराब पीकर झगड़ा कर रहे नौ छात्र गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। थाना सूरजपुर क्षेत्र की मिग्सन सोसाइटी में बीती रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान छात्रों के दो गुटों में आपस में मारपीट हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने नौ छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। सूरजपुर थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मिग्सन सोसाइटी में रहने वाले समीर और पल्स नामक छात्र अपने दोश्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी कर रहे थे और उस दौरान छात्रों ने शराब भी पी। उन्होंने कहा कि इस दौरान छात्रों के बीच हुआ झगड़ा मारपीट में तब्दील हो गया। सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने नौ छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि सबंधित छात्र ग्रेटर नोएडा स्थित एक कॉलेज से पढ़ाई कर रहे हैं।

जमीन पर कब्जे को लेकर मारपीट, जेवरात और नकदी छीनने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। हैबतपुर गांव में विवादित जमीन पर कब्जे को लेकर चार माह पहले हुई मारपीट के मामले में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के सात लोगों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-113 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बहलोलपुर गांव निवासी रामेश्वर यादव ने न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि भाई ब्रिजेश्वर ने गाजियाबाद निवासी विनय चंद्रा से हैबतपुर गांव में वर्ष 2008 में जमीन खरीदी थी। जमीन का दाखिल खारिज भी हो चुका है। वह जमीन पर काबिज हैं। पूरी जमीन पर चारदीवारी करके दो कमरे बनाकर शेष जमीन पर खेती करते थे। शिकायतकर्ता का कहना है कि सितंबर 2024 में भाई ब्रिजेश्वर यादव से जमीन अपने नाम करा ली। आरोप है कि इस जमीन पर मनोज यादव, अमित, टिंकू, रिंकू, पप्पू, राजेश और सोहनपाल कब्जा करना चाहते हैं। शिकायत करके एडीएम श्तर से जांच भी करा चुके हैं। बार-बार जमीन पर आकर झगड़ा करते रहते हैं। आरोप है कि 18 मई की दोपहर जब वह जमीन पर निर्माण कार्य करा रहते थे तो आरोपियों ने आकर काम रुकवा दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोपी उनकी सोने की चेन और 50 हजार रुपये छीनकर भाग गए। थाना श्तर से सुनवाई न होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

बेटे की गर्दन पर चाकू रखकर महिला का अश्लील वीडियो बनाने का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने महिला का अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने महिला के सोते हुए बेटे की गर्दन पर चाकू रखकर यह वीडियो बनाया था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने आरोपी गौरव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। महिला का आरोप है कि आरोपी गौरव ने उसके पति की गैर मौजूदगी में घर में घुसकर सोते हुए बेटे के गर्दन पर चाकू रखकर उसका असली वीडियो बनाया। आरोपी गौरव महिला के घर दूध और अन्य सामान देने आता था। आरोपी वीडियो के जरिए महिला को ब्लैकमेल कर रहा था। वह अश्लील हरकत करता था। विरोध करने पर आरोपी ने महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके साथ ही वीडियो महिला के पति के मोबाइल पर भी भेज दिया था।

खेड़की दौला टोल प्लाजा पचगांव के बजाय अब सहरावन होगा शिफ्ट

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर खेड़की दौला टोल प्लाजा को अब पचगांव के बजाय गांव सहरावन में शिफ्ट किया जाएगा। इस योजना के तहत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जमीन का चयन कर लिया है। इस सिलसिले में एचएसआईआईडीसी को जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है।

पिछले सप्ताह एनएचएआई और एचएसआईआईडीसी की एक टीम ने गांव सहरावन का निरीक्षण किया था। टोल प्लाजा को शिफ्ट करने के लिए हाईवे पर दाईं तरफ करीब 28 एकड़ जमीन खाली है। यह जमीन एचएसआईआईडीसी के अधीन है। इस पर विवाद नहीं है। एचएसआईआईडीसी की जमीन पर कुछ किसानों ने बाजरा बोया हुआ है, जब यह टीम मौके पर पहुंचीं तो किसानों ने 15 दिन की मोहलत मांगी।

जमीन की पैमाईश करवाकर एचएसआईआईडीसी जमीन का कब्जा एनएचएआई को सौंपेगा। एनएचएआई के परियोजना अधिकारी योगेश तिलक की तरफ से मामले को मुख्यालय से अवगत करवाकर टोल प्लाजा शिफ्टिंग के लिए सहरावन में निर्माण शुरू करवा दिया जाएगा। मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद एनएचएआई ने एक कंपनी को टेंडर आवंटित करके पचगांव में टोल प्लाजा का निर्माण शुरू कर दिया था। ग्रामीणों के विरोध के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत ने हस्तक्षेप किया।

नोएडा में 92 साल के बुजुर्ग से ठग लिए 1.02 करोड़ रुपए, सप्ताहभर चला खेल

नोएडा , एजेंसी। मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर साइबर अपराधियों ने नोएडा में 92 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर के साथ एक करोड़ दो लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित को ठगों ने एक सप्ताह तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईटी ऐक्ट और धोखाधड़ी की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर अपराधियों ने खुद को टेलीकॉम डिपार्टमेंट से बताकर पीड़ित के नाम और फोन नंबर की पुष्टि की। फिर सीबीआई निदेशक, पुलिस और न्यायाधीश बनकर डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग से ठगी को अंजाम दिया। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-30 के ए ब्लॉक में रहने वाले कंवर बुद्धिश्वर सिंह ने बताया कि वह एक नामी कॉलेज में प्रोफेसर थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह सेक्टर-30 में परिवार के साथ रहने लगे।

बीते माह 26 अगस्त को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले खुद को टेलीकॉम विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ित से नाम, पते और मोबाइल नंबर की पुष्टि की। कथित अधिकारी से बात समाप्त होने के कुछ देर बाद पीड़ित के फोन पर अलग-अलग लोगों के नंबर से व्हाट्सऐप और वीडियो कॉल आने लगे। एक वीडियो कॉल रिसीव करते ही सामने स्क्रीन पर अन्य शातिर पुलिस की वर्दी पहनकर बैठा था।

रेप केस में 51 दिन जेल में रहा युवक, महिला बोली- गलतफहमी हो गई, कोर्ट ने किया बरी

कोलकाता, एजेंसी।
कोलकाता की एक अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को बरी कर दिया, क्योंकि शिकायतकर्ता महिला ने दावा किया कि उसने 'गलतफहमी' में शिकायत की थी। 24 नवंबर, 2020 को दर्ज मामले में उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। अदालत की ओर से जमानत मिलने तक उसे 51 दिन जेल में बिताने पड़े। महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि वह 2017 से उस व्यक्ति के साथ रिश्ते में थी। उसने शादी करने का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। अगली सुबह शादी करने से इनकार कर दिया और भाग गया।

एफआईआर के आधार पर व्यक्ति को 25 नवंबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया और 14 जनवरी, 2021 को अदालत की ओर से जमानत दिए जाने तक वह जेल में था। सुनवाई के दौरान महिला ने कहा कि पुरुष के साथ गलतफहमी के कारण उसने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत उसके मित्र ने लिखी थी और बिना जाने कि उसमें क्या लिखा है, उस पर हस्ताक्षर कर दिए।

क्या था मामला?: महिला ने 24 नवंबर 2020 को शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 2017 से युवक के साथ रिश्ते में थी। उसने आरोप लगाया कि युवक ने शादी का वादा कर उसके साथ सॉल्ट लेक के एक होटल में शारीरिक संबंध बनाए और अगले दिन शादी से इनकार कर फरार हो गया। पुलिस ने युवक को 25 नवंबर 2020 को गिरफ्तार किया और वह 51 दिन जेल में रहा। उसे 14 जनवरी 2021 को जमानत मिली।

ट्रायल के दौरान बदल गई गवाही: मुकदमे के दौरान महिला ने अदालत में कहा कि गलतफहमी के कारण उसने शिकायत दर्ज कराई थी और उसे मामले की ज्यादा जानकारी याद नहीं है। उसने यह भी बताया कि शिकायत उसकी एक मित्र ने लिखी थी और उसने बिना पढ़े उस पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

जज अनिंद्य बनर्जी ने 28 अगस्त को फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा। महिला का एकमात्र आरोप यह था कि दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए, जो सहमति से हुआ प्रतीत होता है। महिला की मां, दादी और पड़ोसी समेत अन्य गवाहों ने भी आरोपों की पुष्टि नहीं की। अदालत ने युवक को आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) और 417 (धोखाधड़ी) से निर्दोष करार देते हुए कहा कि उसे संदेह का लाभ दिया जाता है।

अब प्राइवेट कर्मचारियों को ज्यादा देर तक करना होगा काम, महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ाया समय

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने बुधवार को निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अधिकतम दैनिक कार्य अवधि को मौजूदा नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे करने के लिए कानूनों में संशोधन को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, रोजगार सृजित करना और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्रीय कार्यबल द्वारा सुझाए गए बदलावों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही महाराष्ट्र अब कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्यों में शुमार हो गया है, जहां ऐसे सुधार पहले ही लागू किए जा चुके हैं। बयान में बताया गया है कि ये संशोधन, फैक्टरी अधिनियम, 1948 और महाराष्ट्र दुकान एवं स्थापना (रोजगार और सेवा शर्तों का विनियमन) अधिनियम 2017 में किए जाएंगे।

संशोधनों के बाद उद्योगों को अधिक मांग या श्रमिकों की कमी के दौरान बिना व्यवधान काम करने की अनुमति होगी, वहीं यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि श्रमिकों को ओवरटाइम का उचित मुआवजा मिले। इसके तहत उद्योगों में दैनिक कार्य घंटों की सीमा नौ से बढ़ाकर 12 घंटे की जाएगी। वहीं विश्राम का समय पांच घंटे की बजाय छह घंटे के बाद मिलेगा। कानूनी ओवरटाइम की सीमा 115 घंटे से बढ़ाकर प्रति तिमाही 144 घंटे की जाएगी और इसके लिए श्रमिकों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी। साप्ताहिक कार्य घंटे भी साढ़े दस घंटे से बढ़ाकर 12 कर दिए जाएंगे।

इसी प्रकार, संशोधित दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम के तहत दैनिक कार्य घंटों को नौ से बढ़ाकर 10 घंटे, ओवरटाइम की सीमा 125 से बढ़ाकर 144 घंटे और आपातकालीन ड्यूटी घंटों को 12 घंटे कर दिया जाएगा। यह बदलाव 20 या उससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे। बीस से कम श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को अब पंजीयन प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि उन्हें केवल सूचना प्रक्रिया के तहत अधिकारियों को अवगत कराना होगा।

सरकार के अनुसार, यह कदम कारोबार में सुगमता लाएगा, नए निवेश आकर्षित करेगा, रोज़गार को बढ़ावा देगा और साथ ही श्रमिकों के वेतन संरक्षण एवं अधिकारों में सुधार सुनिश्चित करेगा। इसमें ओवरटाइम पर दोगुना वेतन देना भी शामिल है। श्रम विभाग ने पिछले सप्ताह यह प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष पेश किया था। विभाग का कहना है कि प्रस्तावित बदलाव, खासकर महिलाओं के लिए, अधिक आरामदायक कार्य वातावरण उपलब्ध कराएंगे और कर्मचारियों व नियोक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं का समाधान करेंगे।

राजस्थान विधानसभा में पारित हुआ कोचिंग रेगुलेशन बिल

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र में बुधवार को हंगामे और तीखी बहस के बीच राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट कंट्रोल्ड एंड रेगुलेशन बिल 2025 पारित हो गया। लंबे समय से स्टूडेंट्स और अभिभावकों की मांग रही थी कि राज्य में कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कानून बने। आखिरकार सरकार ने इस बिल को सदन से पास करवा दिया।

बिल के प्रावधानों के अनुसार अब राज्य में कोई भी कोचिंग सेंटर एक बार में पूरी फीस नहीं ले सकेगा। अगर कोई छात्र बीच में पढ़ाई छोड़ता है, तो संस्थान को उसकी ट्यूशन और हॉस्टल फीस वापस करनी होगी। 100 से अधिक छात्रों वाले हर कोचिंग संस्थान को अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। नियम तोड़ने पर पहली बार 50 हजार रुपए का जुर्माना और दोबारा उल्लंघन करने पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगेगा। सबसे बड़ा प्रावधान यह है कि अगर कोई कोचिंग सेंटर मनमानी फीस वसूलता है, बच्चों पर दबाव बनाता है या कानून का उल्लंघन करता है, तो उसका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है। इतना ही नहीं, जरूरत पड़ने पर संस्थान की जमीन तक कुर्क की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि इस बिल से स्टूडेंट्स और पैरेंट्स को बड़ी राहत मिलेगी और कोचिंग इंडस्ट्री में पारदर्शिता आएगी।बिल के अनुसार हर जिले में 24 घंटे चलने वाला कॉल सेंटर स्थापित किया जाएगा। यहां कोचिंग सेंटर से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई जा सकेंगी।

एक मंजिल तक डूब गए मकान, 20 हजार लोग सड़कों पर

फरीदाबाद, एजेंसी।
फरीदाबाद में यमुना उफान पर है। यमुना की तलहटी में बसी करीब दस कॉलोनियां और कई गांव जलमग्न हो गए हैं। अधिकांश घरों में पानी भर गया। नतीजतन करीब 20 हजार लोग घर छोड़कर सड़क पर आ गए। यमुना की तलहटी में बसे गांव बसंतपुर मे सबसे ज्यादा हालात खराब हो गए हैं। एक-एक मंजिल तक के मकान पूरी तरह डूब चुके हैं।

बसंतपुर इलाके के बसंतपुर पार्ट दो, गड्डा कॉलोनी, पहलवान कॉलोनी, नंबरदार कॉलोनी, शिव इंक्लेव दो, पार्ट तीन, अजय नगर पार्ट एक,पार्ट दो पार्ट तीन, अटल चौक, बजरंग चौक, विष्णु कॉलोनी आदि के भारी संख्या में लोग लगातार मकानों को खाली कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में जा रहे हैं। लोग अपने साथ जरूरी सामान लेकर पानी भरे रास्तों से निकल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार साल-2023 में यमुना का जलस्तर तीन लाख क्यूसेक पार गया था। साल-2023 में यमुना में 3.72.225 क्यूसेक पानी आया था और इससे यमुना के अंदर स्थित खेतों, तलहटी में बने घरों में पानी घुस गया था। साथ ही साल-2023 में यमुना का पानी पुस्ता पार के कॉलोनियों में भी घुस गया था। अधिकारियों कहना है बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 167 लोगों को राहत शिविर में भेजा है। फिलहाल जिले में सात राहत शिविर सक्रिय हैं, जहां लोगों को भोजन, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं दी जा रही है।

जानकारी के अनुसार ओखला बैराज में 193.70 मीटर तक फ्लड प्वाइंट यानि खतरे का निशान चिह्नित है। जानकारों का कहना है कि ओखला बैराज में मौजूदा समय में 200. 20 मीटर से उपर पानी बह रहा है। ऐसे में लोगों की चिंता बढ़ गई है। बसंतपुर इलाके के बाढ़ पीड़ित सरकार की तरफ से बनाए गए

राहत शिविर में जाने को लोग तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि शिविर में समुचित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में वह सड़क पर ही रहना मुनासिब समझ रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से बसंतपुर गांव स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल में राहत शिविर की व्यवस्था की गई है। बुधवार सुबह वहां केवल एक ही राहुल नामक बाढ़ पीड़ित अपने परिवार के साथ पहुंचे। पीड़ित मूलरूप से यूपी के कासगंज के रहने वाले हैं और वह यमुना किनारे झुग्गी बनाकर खेतों में काम करते हैं। पीड़ित ने बताया कि जिला प्रशासन के कहने पर वह परिवार समेत शिविर में आए। लेकिन यहां उनके लिए खाने-पीने के लिए कोई इंतजाम नहीं है।

फरीदाबाद से गुजर रहे यमुना में ओखला बैराज से पानी छोड़ा जाता है। बुधवार सुबह 11 बजे तक ओखला बैराज से यमुना में एक लाख 92 हजार 612 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके बाद दोपहर एक बजे करीब एक लाख 96 हजार 774 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।जिला फरीदाबाद में यमुना नदी के तटवर्ती 27 गांवों को प्रशासन ने संवेदनशील घोषित किया है। इन सभी गांवों में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एसडीएम तहसीलदार, नायब तहसीलदार, डीडीपीओ, बीडीपीओ, ग्राम सचिव, सरपंच व पटवारी स्तर के अधिकारियों की फील्ड में मौजूद होकर निरंतर स्थिति का जायज़ा ले रहे हैं। वहीं, सबसे अधिक संवेदनशील श्रेणी में बसंतपुर, किडावली, लालपुर, महावतपुर, राजपुर कलां व तिलोरी खादर, अमीपुर व चिरसी, मंझावली, चंदपुर, मोठुका, अरुआ, छांयसा और मोहना को रखा गया है।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से बसंतपुर, ददसिया, किडावली, लालपुर, मौजमाबाद, भस्कोला, महावतपुर, अमीपुर, सिधोला, चिरसी, नचौली, कबूलपुर पट्टी महताब, कबूलपुर पट्टी, परवरीश गांव में बाढ़ आने की आशंका बढ़ गई। प्रशासन सुरक्षित जगह पर जाने की अपील कर रहा है।

देशभर के करीब 47 प्रतिशत मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले : एडीआर रिपोर्ट

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण के अनुसार, देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यह रिपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है।

एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत, के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों (74 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 (30 प्रतिशत) के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 (लगभग 87 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों (33 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज़्यादा है, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों (96 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच (31 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय श्तर पर, 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इसके विपरीत, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नगालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है।

एडीआर ने रिपोर्ट में मंत्रियों की वित्तीय संपत्तियों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार, मंत्रियों की औसत संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि सभी 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है। तीस विधानसभाओं में से 11 में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ अरबपति मंत्री हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश में छह और महाराष्ट्र में चार ऐसे मंत्री हैं।

अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना में दो-दो मंत्री, जबकि गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब में एक-एक मंत्री अरबपति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 मंत्रियों में से छह (आठ प्रतिशत) अरबपति हैं। पार्टी के हिसाब से, भाजपा के अरबपति मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक 14 है, हालांकि यह उसके कुल मंत्रियों का सिर्फ 4 प्रतिशत है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर है, जिसके 61 मंत्रियों में से 11 (18 प्रतिशत) अरबपति हैं, जबकि तेदेपा के 23 में से 6 मंत्री (26 प्रतिशत) अरबपति हैं। आम आदमी पार्टी, जनसेना पार्टी, जनता दल (सेकुलर), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना में भी अरबपति मंत्री हैं।

देश के सबसे अमीर मंत्री तेदेपा के डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी हैं, जो लोकसभा में आंध्र प्रदेश के गुंटूर से सांसद हैं। उन्होंने 5,705 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। कर्नाटक कांग्रेस के नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 1,413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि तेदेपा के प्रमुख व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है।

शीर्ष 10 में शामिल अन्य अमीर मंत्रियों में आंध्र प्रदेश के नारायण पोंगुरु और नारा लोकेश, तेलंगाना के गद्दम विवेकानंद और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कर्नाटक के सुरेश बी एस, महाराष्ट्र के मंगल प्रभात लोढ़ा और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं।

दूसरी ओर, कुछ मंत्रियों ने अपने पास बहुत कम संपत्ति होने की सूचना दी है। इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा के शुक्ला चरण नोआतिया ने केवल 2 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की, जबकि तृणमूल कांग्रेस के नेता और पश्चिम बंगाल के मंत्री बीरबाहा हंसदा ने 3 लाख रुपये से थोड़ी अधिक की संपत्ति की सूचना दी। एडीआर ने कहा कि हलफनामों में उद्धृत आपराधिक मामलों की स्थिति 2020 और 2025 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग में दायर किए जाने के बाद से बदल गई हो सकती है।

लोन दिलाने के नाम पर महिलाओं से 50 हजार की ठगी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के लोन दिलाने के नाम पर मेरठ निवासी महिलाओं के साथ ठगी का मामला सामने आया है। महिलाओं ने रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग को लेकर गुरुवार को मोदीनगर थाने पर हंगामा किया। मेरठ के गांव जानी निवासी भूरी, अफसाना, तब्सुम, साबिया, साजिदा और महजबी का आरोप है कि मोदीनगर स्थित निजी बैंक के कर्मचारियों ने 50 हजार रुपये का लोन दिलाने की बात कहकर हर महिलाओं से दो से तीन हजार रुपये ले लिए। अब लोन नहीं मिल रहा। पीड़ितों ने बताया कि करीब पांच दर्जन महिलाओं के साथ लाखों की ठगी की गई है।

मकान मालिक पर लापरवाही बरतने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में करंट लगने से प्लंबर की हुई मौत के मामले में परिजनों ने मकान मालिक पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए है। मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की खुशहाल पार्क कॉलोनी निवासी शहजाद मलिक का चचेरा भाई नाजिम प्लंबर का काम करता था। उन्होंने बताया कि 25 अगशत को वह अंकुर विहार थाना क्षेत्र की रामेश्वर पार्क कॉलोनी निवासी संजय यादव के घर पर कार्य करने के लिए गया था। जहां तीसरी मंजिल पर पाइप फिटिंग होनी थी। भाई ने मकान मालिक को भूतल पर स्थित बिजली के बोर्ड में तार लगाने के लिए कहा था। तार की लंबाई कम पड़ने पर वह तार जोड़ने लगा। आरोप है कि मकान मालिक ने बिना उससे पूछे बोर्ड में तार लगा दिये जिससे भाई करंट की चपेट में आ गया। मकान मालिक अपने पड़ोसी की मदद से उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के दस दिन बीत जाने के बाद परिजनों ने मकान मालिक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की।

पत्र लिखकर सड़क से पशुओं को हटाने की मांग की

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। वैशाली सेक्टर एक में लावारिस पशुओं की समस्या बढ़ रही। लोगों ने गुरुवार को पशु चिकित्सक एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी को पत्र लिखकर सड़कों से पशुओं को हटाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने पत्र में लिखा कि वैशाली की सड़कों पर जगह-जगह पशुओं के झुंड खड़े रहते हैं। इससे जाम की स्थिति बन जाती है। यही नहीं, पैदल चलने वाले राहगीरों पर ये हमला करते रहते हैं। ग्रीन बेल्ट और फुटपाथों पर भी पशुओं का कब्जा है। यह स्थिति अवैध डेयरी संचालकों की लापरवाही के कारण बनी हुई है। लोगों ने मामले में जल्द कार्रवाई की मांग की है।

दरोगा पर उत्पीड़न का आरोप लगाया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर के निवाड़ी थाने में तैनात दरोगा पर गांव सारा निवासी युवक के उत्पीड़न का आरोप लगा है। इसके विरोध में भाकियू किसान सभा ने गुरुवार को डीसीपी ग्रामीण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। भाकियू किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सतेंद्र त्यागी ने आरोप लगाया कि निवाड़ी थाने में तैनात दरोगा ग्रामीणों को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उगाही कर रहा है। इसके अलावा गांव सारा निवासी कामिल ने दरोगा पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि हिस्ट्रीशीटर बदमाश के कहने पर पुलिस उत्पीड़न कर रही है। इस संबंध में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी को ज्ञापन दिया। एसपी ग्रामीण ने सीओ मोदीनगर को जांच के आदेश दिए हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। मौके पर सतेन्द्र त्यागी, मनोज त्यागी, मोनू, कामिल, अमरीश त्यागी, हरिओम त्यागी, विनोद त्यागी, जाबिर, बिन्नु शर्मा, रामकुमार और पुनीत सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

पालतू कुत्ते पर हमले के प्रयास में कुए के झेरे में गिरा गुलदार

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। स्योहारा क्षेत्र के ग्राम शेरपुरा जलाल में एक अजीब घटना सामने आई। किसान राजवीर सिंह जब अपने पालतू कुत्ते को टहला रहे थे, तब एक गुलदार ने कुत्ते पर हमला करने की कोशिश की। हमले के दौरान गुलदार संतुलन खोकर गहरे कुएं में गिर गया। गुलदार के गुर्राने की आवाज सुनकर गांव में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम आधी रात को मौके पर पहुंची। डिप्टी रेंजर के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कई घंटों की मेहनत के बाद गुलदार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। ग्रामीणों में अभी भी गुलदार को लेकर डर बना हुआ है। वन विभाग की टीम की तत्परता और सफल रेस्क्यू की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

सपा सरकार बनते ही छात्रसंघ चुनाव होंगे बहाल, लाठीचार्ज की निंदा: अख़लाक़ पप्पू

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जिला मिडिया प्रभारी अख़लाक़ पप्पू नें बाराबंकी

के स्वरूप डिग्री कालेज मे विधि छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दो मे निंदा की हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की और कहा समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ हैं। इस की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए पीड़ित छात्रों के साथ अखिलेश यादव पूरी तरह से खड़े हैं और पार्टी उनकी हर सभव मदद करेंगी। भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फेल हैं! सरकार की नितियों से किसान नौजवान हर कोई परेशान हैं। उन्होंने छात्रसंघ बहाली पर जोर दिया छात्रसंघ होता तो शायद ऐसे मामले सामने नहीं आते। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा सरकार छात्रसंघ चुनाव बहाल करने से डर क्यों रही। उन्होंने तमाम छात्र संगठनो से अपील की कि वो छात्र सघ बहाली की मांग करें। नेताजी स्व, मुलायम सिंह यादव जी छात्रों का सम्मान करते थे ,उनके समय मे कालेज मे चुनाव होते थे। 2027 मे सपा सरकार बनते ही छात्रसंघ बहाल किया जाएगा।

मां के साथ पैदल जा रहे मासूम की क्रेन की टक्कर से दर्दनाक मौत

अस्पताल में उपचार के दौरान महिला ने दम तौड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

कोतवाली शहर क्षेत्र के बायपास मार्ग पर वी के गार्डन के पास एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार क्रेन ने सड़क किनारे पैदल चल रही मां और बेटे को टक्कर मार दी।हादसे में 7 साल के मासूम अक्की की मौके पर ही मौत हो गई।, जबकि उसकी मां सरिता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इलाज के दौरान सरिता ने भी दम तोड़ दिया। मृतक महिला और बच्चा, थाना मंडावर के करीमपुर नगली गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि बिजनौर शहर से घर लौटते समय उनकी बाइक में खराबी आने के कारण,दोनों पैदल ही घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही क्रेन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों व उनके पति द्वारा तुरंत महिला को अस्पताल में ले जाया गया। जहाँ सरिता की भी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन को कब्जे में ले लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

33000 वोल्टेज की लाइन की चपेट में आकर मेडिकल स्टोर स्वामी की मौत

एनसीआर टुडे. बिजनौर। कोतवाली शहर क्षेत्र के चक्कर चौराहे के पास चौधरी पुरम कॉलोनी में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। मेडिकल स्टोर संचालक भूपेंद्र की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई।

वह अपने घर की छत पर काम कर रहे थे। घटना के समय भूपेंद्र मकान के पास से गुजर रही 33,000 वोल्ट की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गए। उन्हें तुरंत 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के फुफेरे भाई हेमेंद्र सिंह ने बताया कि इस लाइन को लेकर कई बार शिकायत की गई थी। मोहल्ला बसने के बाद भी बिजली विभाग ने लाइन शिफ्ट नहीं की। कुछ दिन पहले भी एक व्यक्ति इसी लाइन से घायल हुआ था। भूपेंद्र मेडिकल स्टोर चलाने के साथ खेती-बाड़ी का काम भी देखते थे। उनके तीन बच्चे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवक घायल,गम्भीर हालत में हायर सेंटर रेफर

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

बृहस्पतिवार को कार और बाईक की टक्कर से हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए, घायल को अफजलगढ़ सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

ग्राम मिलक अमराबाद निवासी थाना नेहटोर उदयराज पुत्र टीकम सिंह और निशांत पुत्र ज्ञान प्रकाश बाइक से मेमनपुर मेले में जा रहे थे। इसी दौरान मेमनपुर–राजौरी मार्ग पर शेरगढ़ मोड़ के पास एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

सरकार ने जीएसटी की दरें कम करके देश की जनता को दिवाली का तोहफा दिया: संजीव शर्मा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

शहर विधायक संजीव शर्मा ने जीएसटी के स्लेब के बदलाव का स्वागत किया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश की जनता को दिवाली पर्व के लिए दिया गया ऐसा तोहफा बताया, जो उनके जीवन को खुशहाल बनाएगा।

शहर विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा नें बताया कि शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी जीरो कर दी गई है। यानि इन पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे गरीब व मध्यम वर्ग को बहुत फायदा होगा।

दैनिक उपयोग की शैंपू, टूथ पेस्ट, मक्खनए घी आदि पर भी कर की दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने सें आम आदमी को बहुत राहत मिलेगी। पेंसिल, शापनर, नोट बुक, रबड आदि पर कर समाप्त करने से विद्यार्थियो व अभिभावको को फायदा होगा। मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए एयर कंडीशनर, टीवी व वाशिंग मशीन आदि पर कर की दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव कारोबारियों व उद्यमियों के हित में है और इससे देश का व्यापार व उद्योग और अधिक तेजी से तरक्की करेंगे, जिससे रोजगार के अवसर तो पैदा होंगे ही साथ ही देश की अर्थव्यवस्था और अधिक तेजी से दौडेगी। प्रधानमंत्री ने जीएसटी की दरों में कमी करके एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके कुशल नेतृत्व में जल्द ही विकसित व आत्मनिर्भर भारत का सपना सच होगा। हमारा देश पुनः विश्व गुरू बनेगा और आगामी त्योहारों पर बाजार मे अत्यधिक रौनक रहेगी।

जलीलपुर के खादर इलाके में बाढ़ का खतरा, 6 गांव मुख्यालय से कटे

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

गंगा का जलश्तर लगातार बढ़ने से बिजनौर जनपद के जलीलपुर क्षेत्र के खादर इलाके में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। बाढ़ का खतरा अब सिर पर मंडराने लगा है। चांदपुर-मीरापुर मार्ग पर करीब दो फीट पानी भर जाने से हाईवे पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। इस वजह से ग्रामीणों का आवागमन थम गया है और जनजीवन अश्त-व्यश्त हो गया है।

रायपुर खादर और मीरापुर-सीकरी मार्ग पर भी दो से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। इस कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बाढ़ का पानी लगातार बढ़ने से खादर क्षेत्र के करीब छह गांव तहसील मुख्यालय से पूरी तरह कट गए हैं। बाढ़ से कटे गांवों के लोगों के लिए अब ट्रैक्टर-ट्राली ही एकमात्र सहारा बचा है। ग्रामीण इन्हीं के जरिए आवागमन कर पा रहे हैं। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है और राहत कार्यों की तैयारी तेज कर दी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलश्तर और बढ़ा तो हालात बेहद गंभीर हो जाएंगे। लोग अपने घरों, जरूरी सामान और पशुधन की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में हैं। कई ग्रामीणों ने तो एहतियातन अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है।

खादर क्षेत्र के लोग लंबे समय से गंगा किनारे तटबंध बनाने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तटबंध का निर्माण कर दिया जाए तो हर साल आने वाली बाढ़ से राहत मिल सकती है। लेकिन अब तक यह मांग पूरी नहीं हो सकी है।

बाढ़ से हर साल सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। किसानों का कहना है कि फसल नष्ट होने के कारण वे बेटियों-बहनों की शादी के लिए पैसे नहीं जुटा पाते,। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और फीस तक चुकाना मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बाढ़ के समय जो मुआवजा दिया जाता है।, वह न तो समय पर मिलता है और न ही पूरी मदद मिल पाती है। ऐसे में किसान हर साल बर्बादी का दंश झेलने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने केंद्र और प्रदेश सरकार से दोबारा गुहार लगाई है कि गंगा के किनारे स्थायी तटबंध का निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि अगर यह काम हो गया तो बाढ़ की त्रासदी से बड़ी राहत मिलेगी और खादर क्षेत्र का जीवन भी पटरी पर लौट सकेगा।

बिजनौर में नगर पालिका की जमीन पर कब्जे का विरोध

400 मकानों के लोगों का एकमात्र रास्ता बंद, कलेक्ट्रेट पहुंचे सैकड़ों लोग

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

मोहल्ला मिर्दगान बी-10 के सैकड़ों निवासी आज कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने नगर पालिका की जमीन पर अवैध कब्जे का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने

प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस राशते का उपयोग अमी खां कॉलोनी और नगर पालिका के पट्टों में रहने वाले लोग करते थे। कब्रिश्तान के लोगों द्वारा हदबंदी किए जाने से कॉलोनी वासियों का एकमात्र राशता बंद हो गया है।

प्रदर्शनकारी अनस के अनुसार, कुछ लोगों ने नगर पालिका और कॉलोनी के राश्ते की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है। इससे करीब 400 मकानों में रहने वाले 1000 से अधिक लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है।

रईस अहमद, अनस, सलीम, फरमान,दानिश,गुलशन ,कमरू और कासिम सहित सैकड़ों महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने पहले शहर कोतवाली का रूख किया और फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से जमीन को कब्जा मुक्त कराने और आम लोगों के लिए राश्ता खोलने की मांग की है।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

भारतीय शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अफजलगढ़ (बिजनौर) में प्रधानाचार्य श्री प्रकाश वीर आर्य के नेतृत्व में शिक्षक दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक श्री बलराम सिंह ने शिष्य एवं गुरु परंपरा को लेकर छात्र छात्राओं को संबोधित किया तथा बताया कि प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा के ऐसे उदाहरण है जिनसे गुरु शिष्य के संबंधों का पता चलता है।

उन्होंने बताया कि एकलव्य ने किस प्रकार से शिक्षा ग्रहण की और अपने गुरु के प्रति समर्पण में अपना अंगूठा दे दिया।

आरुणि, उपमन्यु अर्जुन, शिवाजी एवं दयानन्द सरस्वती आदि गुरु शिष्य परम्परा के उदाहरण हैं। शिवानी, कशिश, सिमरन, मानवी, महक, अर्पित आदि छात्र छात्राओं ने डॉक्टर राधाकृष्णन ने जीवन परिचय एवं उनसे संबंधित प्रेरक प्रसंग प्रश्तुत किये।

डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान शिक्षाविद, दर्शन शास्त्री एवं राजनीतिज्ञ थे। वह भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा उसके बाद भारत के राष्ट्रपति पद को उन्होंने सुशोभित किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रकाश वीर आर्य, व्यवस्थापक श्री बलराम सिंह, सह-व्यवस्थापक मनोज वर्मा ने कक्षाओं में जाकर केक काटा तथा छात्र- छात्राओं ने सभी आचार्यो को बधाइयां दी।

विद्यालय द्वारा आचार्य एवं आचार्याओं को वेश प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कल्याण सिंह, ओमकार सिंह, जितेंद्र कुमार, अनिल कुमार, आनंद भूषण यादव, मनोज कुमार, श्रीमती अरुणा देवी, शौकेंद्र कुमार आदि की सहभागिता रही।

दशलक्षण महापर्व का सातवां दिन उत्तम तप धर्म के रूप में मनाया गया

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

श्री दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण महापर्व का सातवां दिन बुधवार को उत्तम तप धर्म के रूप में मनाया गया। इस दौरान आर्यिका निसर्ग माता जी ने कहा कि मनुष्य को भव को प्राप्त कर, तत्वों का मनन करके, मन के साथ-साथ पांचों इन्द्रियों का दमन करके, निर्वेद को प्राप्त होकर और सम्पूर्ण परिग्रह का त्याग करके वन में जाकर भी तप करना चाहिए।

कहा कि जहां परिग्रह का त्याग किया जाता है, काम को भी नष्ट कर दिया जाता है, पर्वतों की वंदराओं में निवास किया जाता है, उपसर्ग को सहन किया जाता है, रागादि भावों को जीता जाता है, भिक्षावृत्ति से भोजन किया जाता है, समिति का परिपालन होता है, भव पर्याय के अहंकार को छोड़ा जाता है, कर्मों का नाश किया जाता है उसे तप कहते हैं।

बताया कि बारह प्रकार के तप उत्तम धर्म है और दुर्गति का परिहार करने वाले हैं। कहा कि स्थिर मन होकर उसकी पूजा करनी चाहिये। पांचों इन्द्रियों का दमन कर गौरव के साथ उस उत्तम तप को धारण करना चाहिये। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। प्रबंधक राजीव जैन, जैन अल्पसंख्यक महासंघ नगर अध्यक्ष ऋषभ जैन, नितिन जैन, अभिनय जैन, डॉ.अंकुर जैन, संदीप जैन, पंकज जैन, विवेक जैन, सुकेश जैन, प्रदीप जैन मौजूद रहे।

रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर में विभागीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद बिजनौर के 14 सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागी भैया बहिनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपना लोहा मनवाया।

बुधवार को विद्यालय परिसर में आयोजित विभागीय सांस्कृतिक महोत्सव का शुभारंभ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक डॉक्टर इंद्रदेव जी ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन करके किया। कार्यक्रम में लोकनृत्य , प्रश्नमंच, कथावाचन, चित्रकला, मूर्तिकला, रामचरित मानस चौपाई आचार्य पत्रवाचन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागी भैया बहिनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा पूर्व विधायक डॉक्टर इंद्रदेव ने बताया कि वर्तमान में देश एवं प्रदेश में संचालित विद्या भारती के विद्यालयों में आज भी भारतीय संस्कृति देखने को मिलती है, साथ ही यहां शिक्षा ग्रहण करने वाले भैया बहिनों को हर क्षेत्र में निपुण बनाने का काम किया जा रहा है।

यहां शिक्षा ग्रहण करने वाले भैया बहिनों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहभागिता करके अपने परिजनों जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन कर रहे रहे।

भैया बहिनों को आवाहन करते हुए कहा कि वे निष्ठा व लगन से मेहनत एवं परिश्रम करके अपना नाम रोशन करने में पूर्ण सहभागिता करे। इस अवसर पर रामा विष्णु सरस्वती शिशु मंदिर की बहिनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रश्तुत किए आयोजित की गई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम निम्वत रहा शिशु वर्ग में रामचरित्र मानस चौपाई में हल्दौर प्रथम धामपुर द्वितीय नूरपुर व किरतपुर तृतीय गीत में धामपुर प्रथम नगीना द्वितीय फिना तृतीय कथाकथन में धामपुर प्रथम चांदपुर द्वितीय नूरपुर तृतीय प्रश्नमंच में नूरपुर प्रथम धामपुर द्वितीय जैतरा तृतीय लोकनृत्य में नहटौर प्रथम चित्रकला में फ़ीना प्रथम कीरतपुर द्वितीय नूरपुर तृतीय बाल वर्ग में रामचरित्र मानस चौपाई धामपुर प्रथम नहटौर द्वितीय बिजनौर तृतीय गीत में धामपुर प्रथम नहटौर द्वितीय बिजनौर तृतीय कथाकथन नहटौर प्रथम घामपुर द्वितीय प्रश्नमंच में नहटौर प्रथम बिजनौर द्वितीय धामपुर तृतीय लोकनृत्य में धामपुर प्रथम नहटौर द्वितीय चित्रकला में नहटौर प्रथम धामपुर द्वितीय मूर्तिकला में नहटौर प्रथम धामपुर द्वितीय।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी प्रबंध समिति के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल प्रबंधक विनिल त्यागी पूर्व प्रबंधक नवीन अग्रवाल कोषाध्यक्ष वैभव जैन समिति सदस्य प्रमोद त्यागी, डॉक्टर राजेश त्यागी, शोभित त्यागी, प्रधानाचार्या मनोज शर्मा, प्रधानाचार्य फीना नरेश कुमार नागर, प्रधानाचार्य बिजनौर राजीव वर्मा, प्रधानाचार्य धामपुर अमरपाल सिंह, प्रधानाचार्य नजीबाबाद प्रवीण सहित अन्य विद्यालय के आचार्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल व संचालन कोमल सिंह ने किया।

कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा पूर्व विधायक डॉक्टर इंद्रदेव, ब्लॉक प्रमुख राकेश चौधरी एवं शोभित त्यागी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

ग्राम पंचायत मोहम्मद कुली रसूलपुर में विकास कार्यों में धांधली की शिकायत

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷

ग्राम पंचायत मोहम्मद कुली रसूलपुर में विकास कार्यों में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर जिला प्रशासन हरकत में आ गया है।

ग्रामीण बंटी पुत्र ऋषिपाल, सलोनी, अन्नू, रबीना, राबिया, सलमान, सर्वेश आदि ने डीएम को ज्ञापन देकर ग्राम प्रधान और अधिकारियों पर घटिया निर्माण का आरोप लगाया था। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रोवेशन अधिकारी वीरेन्द्र यादव एवं अवर अभियंता संजीव कुमार मंगलवार को ग्राम बूढ़ेरन पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांव में बनाए गए आरआरसी सेंटर, नाले आदि क्षतिग्रश्त हालत में मिले। ग्रामीणों ने टीम को बताया कि कार्य मानक के अनुरूप नहीं कराए गए, जिसके चलते कुछ ही समय में निर्माण ध्वश्त हो गया। गांव में मौके पर ग्राम प्रधान सुनीता देवी और पंचायत सचिव भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने समश्त बिंदुओं की जांच कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दोषी पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे।

गणेश विसर्जन के दौरान डूबे दो युवकों के शव बरामद

एनसीआर टुडे. बिजनौर। अफजगढ़ थाना क्षेत्र में उस समय दुखद माहौल बन गया जब रामगंगा नदी से दो युवकों के शव बरामद किए गए। ये दोनों युवक गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान दो दिन पूर्व नदी में डूब गए थे और तभी से लापता थे। जानकारी के मुताबिक, उत्तराखंड के जसपुर से आए श्रद्धालुओं का एक दल रामगंगा नदी में मूर्ति विसर्जन करने पहुंचा था। उसी दौरान नदी के तेज बहाव में दो युवक गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

घटना की सूचना पर गोताखोरों और पीएसी की टीम ने लगातार तलाशी अभियान चलाया और दो दिन की मेहनत के बाद गुरुवार को दोनों के शव बरामद कर लिए गए। शवों के मिलते ही परिजनों में गम का माहौल बन गया। मृतकों की पहचान जसपुर निवासी युवकों के रूप में हुई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अगर नदी किनारे सुरक्षा इंतज़ाम और पुख्ता होते तो यह हादसा टल सकता था। वहीं, पुलिस प्रशासन ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संपादकीय

'नेताओं को सब, कर्मचारियों को कब?'

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनता सर्वोपरि मानी जाती है। संविधान में समानता, न्याय और समान अवसर की बात कही गई है। लेकिन जब बात नेताओं और आम जनता की सुविधाओं की आती है तो तस्वीर बिल्कुल उलट दिखती है। जिस देश में करोड़ों लोग बुढ़ापे की लाठी के तौर पर केवल एक मामूली सी पेंशन पर निर्भर हैं, वहां नेताओं के लिए पेंशन और सुविधाओं की भरमार है। सवाल उठता है कि आखिर लोकतंत्र में यह असमानता क्यों? बार-बार पेंशन, सुविधा पर सुविधा, यात्रा भत्ता, सुरक्षा, मेडिकल, स्टाफ़ और आवास-सब फ्री? दूसरी ओर, कर्मचारी चाहे 35-40 साल तक ईमानदारी से काम करे, रिटायरमेंट के बाद पेंशन का इंतजार करता है और अक्सर अदालतों व आंदोलन का सहारा लेना पड़ता है।

मान लीजिए एक आम कर्मचारी 35 साल नौकरी करता है। सेवा पूरी होने के बाद उसे मुश्किल से इतनी पेंशन मिलती है कि घर का राशन-पानी चल सके। महँगाई, दवाइयों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच वह पेंशन अपर्याप्त साबित होती है। अब जरा नेताओं का हाल देखिए-उपराष्ट्रपति की पेंशन ₹2.25 लाख मासिक, सांसद की पेंशन ₹27, 500 मासिक और विधायक की पेंशन ₹42, 000 मासिक।

यानी एक ही व्यक्ति अगर अलग-अलग पदों पर रहा है तो उसे तीन-तीन पेंशन मिलेंगी। और यह यहीं नहीं रुकती। उसे जीवनभर सरकारी गाड़ी, स्टाफ़, सुरक्षा, हवाई और रेल यात्रा पर छूट, मेडिकल का पूरा खर्च और न जाने क्या-क्या मुफ्त मिलता रहता है। कर्मचारी वर्ग को देखिए-महँगाई राहत का हिसाब सालों तक लटकता है, पेंशन रिवीजन की माँग दशकों तक पूरी नहीं होती। दो-दो वेतन आयोग आ चुके हैं, फिर भी पेंशन सुधार की फ़ाइल धूल खा रही है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विधायक या सांसद एक दिन के लिए भी सदन में बैठ जाए तो उसकी पेंशन पक्की। वहीं एक सरकारी कर्मचारी अगर एक दिन कम सेवा पूरी करता है तो उसकी पेंशन ही कट सकती है। संविधान की यही विसंगति नेताओं को "सुपर क्लास" बना देती है। जनता टैक्स चुकाती है, सरकारी खजाना भरती है, और उसी पैसे से नेताओं की आलीशान रिटायरमेंट जिंदगी चलती है।

अगर हम नैतिकता की बात करें तो किसी भी संवैधानिक पद या जनप्रतिनिधि को एक ही पेंशन मिलनी चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री या पूर्व सांसद-सबको एक पेंशन। लेकिन आज हालत यह है कि वही नेता कई पेंशन ले रहा है और आम जनता एक पेंशन के लिए तरस रही है। नैतिक दृष्टि से देखें तो जब आम आदमी को एक ही पेंशन पर जीवन बिताना पड़ता है तो नेताओं को क्यों विशेषाधिकार मिले? यह सीधी-सीधी असमानता है और लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है।

वास्तविकता यह है कि यह मुद्दा केवल पेंशन का नहीं, बल्कि राजनीति की लूट का है। नेता जानते हैं कि जनता स्मृति-विलोप की शिकार है। जनता को आज गुस्सा आता है लेकिन कल भूल जाती है। इसी भूलने की आदत पर भरोसा करके नेता कभी अपने भत्ते बढ़ाते हैं, कभी सुविधाएँ जोड़ते हैं और कभी पेंशन के नए नियम बना लेते हैं। दूसरी तरफ़, कर्मचारियों और पेंशनरों को हर सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ता है। धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन और याचिका-फिर भी सुनवाई नहीं होती।

लोकतंत्र में नेता जनता के सेवक माने जाते हैं। लेकिन आज की सच्चाई यह है कि नेता सेवक कम और शासक ज्यादा बन गए हैं। उन्हें अपने लिए हर सुविधा चाहिए, चाहे जनता पर कितना भी बोझ क्यों न पड़े। जनता टैक्स देती है इस उम्मीद में कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत ढाँचे में सुधार होगा। लेकिन टैक्स का बड़ा हिस्सा नेताओं की पेंशन और सुविधाओं पर खर्च हो रहा है।

इस स्थिति को बदलने के लिए जरूरी है कि एक पद, एक पेंशन का नियम लागू हो। जिस तरह सैनिकों और कर्मचारियों पर यह नियम लागू है, उसी तरह नेताओं पर भी होना चाहिए। किसी भी पदाधिकारी की पेंशन एक निश्चित सीमा से अधिक न हो। रिटायरमेंट के बाद हवाई यात्रा, मेडिकल, गाड़ी और स्टाफ़ जैसी मुफ्त सुविधाएँ बंद की जाएँ। जनप्रतिनिधियों की पेंशन की समीक्षा संसद और विधानसभाओं के बाहर एक स्वतंत्र आयोग से हो। सबसे अहम बात यह कि जनता को जागरूक किया जाए ताकि यह मुद्दा हर चुनाव में उठे और राजनीतिक दलों को इसे अपने घोषणा पत्र में शामिल करना पड़े।

भारत में पेंशन का यह दोहरा मानदंड लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। एक ओर जनता और कर्मचारी वर्ग अपनी बुढ़ापे की सुरक्षा के लिए संघर्षरत हैं, वहीं नेता टैक्स के पैसों पर ऐश कर रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि देश में "एक पद, एक पेंशन" का नियम बने। नेता भी वही पेंशन लें जो एक आम नागरिक लेता है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब जनता और नेताओं के बीच बराबरी का भाव होगा, न कि विशेषाधिकार का फर्क। आज देश के युवाओं, कर्मचारियों और पेंशनरों को एक स्वर में यह सवाल पूछना चाहिए-"जब हमें एक पेंशन काफ़ी है तो नेताओं को कई पेंशन क्यों?"

भारत में नेताओं को अनेक पेंशन और असीमित सुविधाएँ प्राप्त हैं, चाहे वे एक दिन ही सदन में बैठे हों। वहीं करोड़ों कर्मचारी दशकों तक सेवा करने के बाद भी पेंशन के लिए तरसते हैं। दो-दो वेतन आयोग आने के बावजूद वर्षों से पेंशन संशोधन लंबित है। आम नागरिक एक पेंशन पर जीवन यापन करता है, जबकि नेता तीन-तीन पेंशन और मुफ्त सुविधाओं का उपभोग करते हैं। लोकतंत्र की आत्मा यही कहती है कि सबके लिए नियम समान हों। अब समय आ गया है कि "एक पद, एक पेंशन" का सिद्धांत नेताओं पर भी लागू हो।

अब जब कोई और मुद्दा नहीं तो गाली का बनाओ!

शकील अख्तर

उल्लेखनीय बात है कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में गाली देने की जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगश्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के राश्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। गाली देने वाले को न कोई जानता है न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है।

भारत में खास तौर पर देश के हिंदी इलाकों में जो शब्द सबसे ज्यादा बोला जाता है वह मां और बहन की गाली ही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक ही गाली का जिक्र किया। यदि वे गालियों के खिलाफ देश में कोई माहौल बनाना चाह रहे होते तो कहते कि इस तरह की हर गाली मां-बहन का अपमान है। मगर उन्होंने एक गाली की बात की और कहा कि यह मेरी मां को नहीं देश भर की महिलाओं को दी गई है। और इसके खिलाफ उन्होंने कांग्रेस और राजद के नेताओं के खिलाफ आंदोलन करने को कहा।

देश में कौन व्यक्ति ऐसा होगा जिसने इस तरह की गाली नहीं सुनी हो। कमजोर ने अपने मुंह के सामने सुनी और पीढ़ियों से सुनाता आ रहा है और बाकी लोगों को पीठ पीछे दी गई। जैसे जिसका जिक्र मोदी जी कर रहे हैं वह।

कहा जाता है कि पीठ पीछे तो राजा को भी गाली दी जाती है। मगर राजा को उसके नाम पर वोट नहीं लेना होते है इसलिए वह कभी मुद्दा नहीं बन पाई। और अब तो राजा रानी है नहीं मगर उनके बाद जो लोकतंत्र आया तो सबसे ज्यादा गालियां देश में लोकतंत्र लाने के लिए अंग्रेजों और राजा महाराजाओं से भी लड़ने वाले नेहरू-गांधी परिवार को मिलीं। उनकी गालियों के लिए तो भक्त कहते हैं क्यों मिलीं? मतलब गालियों को ही जस्टिफाई करते हैं। मगर यहां किसी एक ने भी समर्थन नहीं किया। देने वाला व्यक्ति तत्काल गिरफ्तार भी हो गया। सबने उसकी कड़े शब्दों में निंदा की।

यहां एक बात और उल्लेखनीय है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगश्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के राश्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। यात्रा जब काफी आगे निकल गई और नेता कार्यकर्ता सब उसके साथ चले गए तब यह गाली दी गई। और देने के साथ ही आवाजें आती हैं कि गलत बात गलत बात है और गाली देने वाले से माइक छीन लिया जाता है।

गाली देने वाले को न कोई जानता है। न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। जैसा कि राहुल ने कहा कि क्या मैंने या तेजस्वी ने गाली दी? क्या मेरे सामने गाली दी? इसका कोई जवाब नहीं है। जबकि जो मोदी जी जो गाली को मुद्दा बना रहे हैं खुद उन्होंने क्या क्या कहा है कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, सुर्पणखा, दीदी ओ दीदी, कांग्रेस को सवा सौ साल की बुढ़िया, कब्रिश्तान श्मशान जैसी तुलनाएं कितना बताएं! और उनकी पार्टी के नेताओं की जिनमें मंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं की गालियों की तो बात ही क्या।

बहुत ही गलत विषय पर मोदी जी चले गए। राहुल की यात्रा का यह पेनिक रिएक्शन था। जापान और चीन की यात्रा से उन्होंने सोचा था कि देश में माहौल बन जाएगा। वैसे फोटो और

खबरें गोदी मीडिया में चलाए भी गए। मगर इस बार वाश्तविक सवालों को हेडलाइन मैनेजमेंट दबा नहीं पाया।

सच्चाई पर कहानियां हावी नहीं हो पाईं। आज सब देख रहे हैं कि चीन की सैन्य परेड में भी पाकिश्तान के आर्मी चीफ मुनीर स्पेशल गेस्ट हैं। वहां अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप उन्हें लंच पर बुलाते हैं।

यह भारत को नीचा दिखाना नहीं है। भारत एक बड़ा और मजबूत देश है उसे इन छोटी मोटी हरकतों से फर्क नहीं पड़ता है। यह खुद को विश्वगुरू बताने वाले मोदी जी को आईना दिखाना है। अभी जापान और चीन की यात्रा के बाद भी वही कहानी कि हम ही हम हैं। दुनिया के सारे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी मोदी जी कर रहे थे। इस आत्मश्लाधा का इलाज क्या है!

इलाज तो है भारत की छवि पेश करना। मगर यहां तो देश से ऊपर खुद को रखने का काम हो रहा है। भारत में पैदा होना और रहना शर्म की बात कह दी गई। और किसी ने नहीं खुद प्रधानमंत्री मोदी ने। और वह भी विदेश में।

तो आप समझ सकते हैं कि जब प्रधानमंत्री खुद ऐसा बोलते हों कि यह भी कोई देश है महाराज तो उनकी पार्टी के बाकी लोग क्या बोलेंगे! उन्होंने देश को 2014 में आजाद करवाया। और ऐसे लोगो को ईनाम मिलता है। कंगना रनौत जिन्होंने भारत की आजादी की तारीख बदल दी उन्हें लोकसभा की सीट दे दी। और गालीबाजों की तो बात ही क्या? एक महिला नेता रेखा गुप्ता ने तो मां की इतनी गंदी गंदी गालियां दीं कि लिखने में भी शर्म आती है। जिन पाठकों को नहीं मालूम वे गूगल कर जान सकते हैं। लेकिन इनाम में क्या मिला इसके लिए कुछ ढुंढने की जरूरत नहीं वह सबको मालूम है। दिल्ली के पुराने पुराने नेता रह गए और उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया।

मणिपुर में तो महिलाओं के साथ सड़क पर नग्न जुलूस निकालकर जो हुआ उसकी अन्तरराष्ट्रीय श्तर पर निंदा की गई। मगर प्रधानमंत्री वहां गए तक नहीं। सुना अब जा रहे हैं। दोहरी समस्याओं से घिरे हुए हैं। देश के साथ विदेशों में छवि खराब हो गई है। सारी कवायदें छवि को बचाने के लिए हैं।

बिहार में 4 सितंबर गुरूवार को आधे दिन का बंद आयोजित किया है। राहुल की बिहार यात्रा ने वाकई बड़ी चोट पहुंचाई है। 17 अगश्त जब राहुल ने यात्रा शुरू की थी उससे पहले बिहार में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत मान रही थी। मगर राहुल की यात्रा के पहले चरण ने तस्वीर बदल दी। यात्रा का दूसरा दौर भी होगा।

मोदी के लिए जवाब देना मुश्किल होता चला जा रहा है। यात्राओं ने ही उन्हें 2024 के चुनाव में लोकसभा में बहुमत नहीं मिलने दिया था। और अब यह राहुल की बिहार यात्रा उनके बिहार में पहली बार भाजपा के मुख्यमंत्री बनने के ख्वाब में बाधा बनकर खड़ी हो गई है।

राहुल ने घोषणा की है एटम बम के बाद वह अब हाइड्रोजन छोड़ने जा रहे हैं। इसके जवाब में मोदी गाली का मुद्दा ले आए। मगर इस सवाल को वे अब दबा नहीं पाएंगे कि क्या राहुल गांधी ने गाली देना तो दूर की बात क्या कभी उनकी किसी गाली का जवाब भी दिया है। राहुल का बयान है कि मैं सबसे प्रेम करता हूं। मोदी जी से भी। विरोध नीतियों और विचारों का है। उन राहुल के खिलाफ गाली का आरोप कितना चल पाएगा कहना मुश्किल है। और इसमें सबसे बड़ा सवाल यह है कि गाली से तो राहुल का कोई संबंध नहीं है मगर वोट चोर के नारे तो उन्होंने खुद लगाए हैं। इस पर मोदी जी की कोई प्रतिक्रिया नहीं है।

क्यों? इसका जवाब मोदी जी नहीं दे सकते। मगर राहुल बताते हैं। राहुल का कहना है कि चोर जब रंगे हाथों पकड़ लिया जाता है तो उसके पास कोई जवाब नहीं होता। यही हाल मोदी जी का है। वोट चोरी जो मुख्य मुद्दा है उस पर नहीं बोल सकते। इसलिए गाली को मुद्दा बनाने की कोशिश कर कर रहे हैं।

ईद मिलादुन्नबी पर विशेष: पूरी दुनिया के लिए रहनुमा बनकर आए मोहम्मद साहब

मुस्ताअली बोहरा

इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब की विलादत को पूरी दुनिया में जश्न की तरह मनाया जाता है, इसलिए इसे ईद-ए-मिलादुन्नबी भी कहा जाता है। मोहम्मद साहब वही नबी थे, जिनके आने के पहले पूरे अरब में हिंसा और जहालत फैली हुई थी। औरतें और बच्चे महफूज नहीं थे।

लोगों के जान-माल की लूट खसोट मची हुई थी। हर कबीले का अपना कानून था, ईसाईयों और यहूदियों के कबीलों में भी मजहब की नाम पर हिंसा फैली हुई थी। बाप अपनी बच्ची को उसकी हिफाजत के डर से जिंदा जला देते थे। औरत नुमाइश, भोग-विलास की वश्तु थी। नाहक तौर पर अरब कबीले एक-दूसरे से जंग करते थे। ऐसे दौर में मोहम्मद साहब ने लोगों को सहीं राश्ता बताया।

समाज में फैली कुरीतियों, जातिगत भेद-भाव, बदइंतजामी, मार-काट के दौर से दुनिया को बाहर निकालने के लिए मोहम्मद साहब का जन्म हुआ। दुनिया को इंसानियत का राश्ता दिखाने के लिए अल्लाह ने हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को पैगंबर बनाया। मोहम्मद साहब ने लोगों को बताया कि अल्लाह एक है। पैगम्बर साहब से पहले अब्राहम, आदम, जीसस, मोसेस और दूसरे नबियो ने भी यही संदेश दिया था कि ईश्वर केवल एक है। नबी साहब के बताए आदर्शों, नसीहत और सीख के बाद इंसान, इंसान से मोहब्बत करने लग गया था।

जुल्मो-सितम से लोगों को राहत मिली, जो लोग लूट मार कर रहे थे वो तालीम हासिल करने में लग गए। यह वही 'मोहम्मद' थे जिन्होंने इंसान को दुनियावी और दीनी तालीम देते हुए हक के राश्ते पर चलने की नसीहत दी। औरतों को उनका पूरा हक देने, उनके साथ सम्मानजनक बर्ताव करने की हिदायत दी।

मोहम्मद साहब के कहना था कि बेटी तो किस्मत वालों के यहां पैदा होती है। इसी तरह आपने बेटे-बेटी की बीच भेदभाव को गलत करार दिया। आपने मां-बाप का मर्तबा बताया और बच्चों को मां-बाप की नाफरमानी न करने की नसीहत दी। उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की स्थापना की जिसमें कई कबीलों और जातियों के लोग बिना किसी भेदभाव के समान अधिकारों के साथ रह सकें।

मोहम्मद साहब को अब्द, बशीर, शाहिद, मुबारशीर, नाथिर, सिराज मुनीर, अल मुजम्मिल और अहमद के नाम से भी जाना जाता है। अरब के लोग उन्हें अल-अमीन और अल-सादिक के नाम से भी पुकारते थे। पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहे वसल्लम ने ही इस्लाम धर्म की स्थापना की है। आप हजरत सल्ल. इस्लाम के आखिरी नबी हैं, आपके बाद अब कयामत तक कोई नबी नहीं आने वाला।

इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक 570 ईसवीं में 12 रबीउल अव्वल मोहम्मद की पैदाइश का दिन। अपने पिता अब्दुल्लाह के इस दुनिया से रुखसत हो जाने के बाद जन्मे इस मासूम बच्चे के बारे में किसने सोचा की थी कि यह अरब सभ्यता की दशा और दिशा बदलने के साथ ही दुनिया को नेक राह पर चलने की हिदायत देने वाला देवदूत होगा। आपके दादा अब्दुल मुत्तलिब आपकी पैदाइश के दिन ही आपको खाना-ए-काबा ले गए और तवाफ कराकर लाए और आपका नाम मुहम्मद रखा। आपकी वालिदा को ख्वाब में फरिश्ते ने आपका नाम अहमद बताया और इस तरह आपके दो नाम रखे गए। नबी साहब के ये दोनों ही नाम असली है। पैगंबर मोहम्मद साहब का नाम दुनिया में सबसे लोकप्रिय नामों में से एक है।

मोहम्मद साहब अपने खाली वक्त में वह जबल अल-नूर पर्वत पर 'गार-ए-हिरा' में जाकर इबादत में मशगूल हो जाते थे। उनके पास ना तो कोई दौलत थी और न सरमाया। ना सोने-चांदी, हीरे-जवाहरात के ढेर। फिक्रो-फाका, गरीबी और तंगहाली को देख कर कर्म विरोधी लोग अक्सर कहते थे कि 'ये कैसा नबी है जो रहता है टूटे हुए हुजरे में, बैठता है खजूर की चटाई पर, पहनता है फटी हुई चादर और दावा करता है सारे कायनात के नबी होने का'। लेकिन ये वही नबी थे जिनके वादे को ईमाम हुसैन ने कर्बला में अपनी शहादत देकर पूरा किया और इंसानियत को ताकयामत के लिए बचा लिया।

मोहम्मद साहब का पूरा जीवन और उनके किए हर काम में कोई न कोई संदेश जरूर छिपा होता था। मसलन, हजरत खदीजा से मोहम्मद साहब की शादी। 25 साल की आयु में आपने 40 साल की विधवा से शादी की। उनके इस फैसले में विधवा विवाह का सामाजिक संदेश छिपा हुआ था। मक्का के बाहर एक पहाड़ पर सन 610 में ईश्वरी संदेश या वही के जरिए उन्हें नुबुवत मिली अर्थात पैगंबर बनाए जाने का संदेश मिला।

उस वक्त आप 40 साल के थे। हजरत मोहम्मद साहब पर जो अल्लाह की पवित्र किताब उतारी गई है, वह है कुरआन। अल्लाह ने फरिश्तों के सरदार जिब्राइल अलै. के मार्फत पवित्र संदेश (वही) सुनाया। उस संदेश को ही कुरआन में संजोया गया है। कुरान इस्लाम का धार्मिक ग्रंथ और वह पाक-मुकद्दस किताब है जो आज भी लोगों को भलाई के राश्ते पर चलने का संदेश दे रही है।

कुरान में मुहम्मद शब्द का अर्थ "सराहनीय" है और यह शब्द कुरान में कुल चार बार आया है। कुरान में मुहम्मद साहब का जिक्र मुख्य रूप से नबी, अल्लाह का गुलाम, दूत, बशीर, मुबश्शिर, शहीद, नाथिर, नूर, मुधाक्किर और सिरजमुनिर के रूप में भी है। कुरान-ए-पाक का हिन्दी, अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच सहित अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। जबकि, कुरान में हजरत मोहम्मद साहब की आयतें लिखी हुई हैं। ऐसा कहा जाता है कि कुरान आयतों के रूप में नाज़लि हुआ और इसे पूरा या मुकम्मल होने में 23 साल लगे।

न तो ईसा मसीह की तरह मोहम्मद को जन्म से ही अपने नबी होने का अंदाजा था न ही वे मूसा की तरह बेशुमार चमत्कारों के धनी थे। वे जागीर या सल्तनत देकर भी जमीं पर भेजे नहीं गए थे, फिर भी लोगों में मकबूल थे। लोग प्रेम से इन्हें 'सादिक' यानि सच्चा या 'अमीन' यानि अमानतदार कह कर बुलाते थे।

मोहम्मद साहब के चेहरे पर नूर था। जैसे-जैसे हजरत मोहम्मद साहब बड़े हुए उनकी ईमानदारी, नैतिकता और सादगी ने उनको और प्रतिष्ठित कर दिया। अपने इन सिद्धांतों पर वे इतना दृढ़ थे कि मक्का के लोग उन्हें 'अल-अमीन' नाम से पुकारने लगे थे, जिसका अर्थ होता है भरोसेमंद व्यक्ति। उनके चचेरे भाई हजरत अली का कहना था कि जो लोग उनके पास आते उनसे और करीब हो जाते। वह लोगों की जरूरतें पूरी करते, अच्छे कामों के लिए लोगों को प्रेरित करते।

आप ने कभी दो वक्त का खाना नहीं खाया, एक वक्त खाना खाते और उसमें भी सिर्फ एक ही सब्जी। वह कभी अकेले नहीं खाते बल्कि दूसरे लोगों को न्योता देकर बुलाते और उनके साथ खाना खाते। आप गरीब और बीमारों की देखभाल किया करते थे। सही मायनों में आप नेकी, प्रेम, उदारता एवं पवित्रता के प्रतीक थे।

मोहम्मद साहब के जन्म को भी मुसलमान ईद की तरह मनाते हैं इसलिए इसे ईद मिलाद उन-नबी भी कहा जाता है। ईद का अर्थ होता है उत्सव मनाना और मिलाद का अर्थ होता है जन्म होना। मिलाद उन नबी इस शब्द का मूल मौलिद है जिसका अर्थ अरबी में जन्म है।

अरबी भाषा में मौलिद-उन-नबी का मतलब है हजरत मुहम्मद का जन्मदिन है। मौलिद के अलावा मवलीद या मौलूद भी कहा जाता है जिसका मतलब जन्मदिन है। नबी साहब के जन्मदिन पर सीरत और नात पढ़ी जाती है। इस्लाम में बेहद अहम यह दिन इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन मनाया जाता है। हालांकि मोहम्मद साहब का जन्मदिन एक खुशहाल अवसर है लेकिन मिलाद-उन-नबी को कई जगह शोक के दिन के रूप में भी मनाया जाता है। क्योंकि रबी-उल-अव्वल के 12वें दिन ही पैगंबर मोहम्मद साहब खुदा के पास वापस लौट गए थे। यह उत्सव मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं की भी याद दिलाता है।

1588 में उस्मानिया साम्राज्य में इसे व्यापक तौर पर मनाया गया जिसमें हर खास ओ आम शामिल हुआ था और तब से लेकर अब तक साल दर साल नबी साहब के जन्मदिन का जश्न और ज्यादा भव्य होता जा रहा है। दुनिया भर के अलग-अलग देशों में मुस्लिम धर्मावलम्बी इस त्यौहार को जोश और खरोश के साथ मनाते हैं। ईद मिलाद उन नबी को अलग-अलग भाषाओं में अलग अलग नामों से पुकारा जाता है।

अरबी में ईद अल-मौलीद अन-नबी तो उर्दू में ईद मिलाद-उन-नबी कहा जाता है। बांग्लादेश श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण भारत की भाषाओं में ईद-ए-मिलादुन्नबी, ईजिप्ट की अरबी भाषा एल मूलेद (एन-नबवी) या मूलेद एन-नबी, तुनीश की अरबी भाषा में एल-मूलेद, वोलोफ भाषा में गमोव, अरबी में मौलूद और यौम अन-नबी अरबी में ही मौलीद अन-नबी (ब.व. अल-मवालिद), मलय भाषा में मौलीदुर-रसूल, इंडोनेशियन भाषा में मौलीदुर-नबी, मलेशियन भाषा में मौलूद नबी, स्वाहिली और हौसा भाषाओं में मौलीदी, दारी भाषा या पर्शियन या उर्दू में मौलूद-ए-शरीफ यानि शुभ जन्म, अल्जीरियन भाषा में मौलीद एन-नबोई एशरीफ, तुर्की भाषा में मेवलदूत या मेवलीद-इ शरिफ, बोस्नियन में मेवलूद या मेवलीद, अल्बेनियन में मेवलैदी, पर्शियन में मिलाद-ए पयम्बर-ए अकरम, जावनीस भाषा में मूलूद, संस्कृत या दक्षिण भारती भाषाओं में नबी या महानबी जयंती और अजेरी भाषा में मोवलूद कहा जाता है।

भारत का अंतरिक्ष भविष्य : 2035 तक अपना स्टेशन और गगनयान मिशन

डॉ. जितेंद्र सिंह

एक समय था जब हम अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में केवल अनुयायी माने जाते थे, लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। भारत न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि वैश्विक साझेदारियों में समान भागीदार बन चुका है। आने वाले वर्षों में गगनयान मिशन और 2035 तक प्रश्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, हमारी अंतरिक्ष यात्रा को नई दिशा और नया आयाम देने वाले हैं।

देखा जाए तो यह गगनयान मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। जब हमारे अंतरिक्ष यात्री सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रेविटी) की परिस्थितियों में प्रयोग करेंगे, तो उसका लाभ पृथ्वी पर भी पहुँचेगा। चाहे वह कृषि हो, जीवन विज्ञान हो या चिकित्सा क्षेत्र, इन प्रयोगों से हमें ऐसे नए निष्कर्ष मिलेंगे जो करोड़ों लोगों के जीवन को आसान बना सकते हैं।

हाल के समय में मायोजेनेसिस जैसे प्रयोगों ने भी यह सिद्ध किया है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल आकाश तक सीमित नहीं, बल्कि धरती पर मानव स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी अहम है। मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन पर किए गए अध्ययन मधुमेह, कैंसर और फ्रैक्चर जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन : 2035 का लक्ष्य
भारत ने 2035 तक अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। हमारा यह लक्ष्य सिर्फ तकनीकी प्रगति तक ही सीमित नहीं है, आज यह राष्ट्रीय संकल्प का भी परिचायक है।

जब यह स्टेशन स्थापित होगा तो भारत वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में न केवल साझेदार होगा, बल्कि एक नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा।

इस स्टेशन का महत्व केवल वैज्ञानिक प्रयोगों तक सीमित नहीं रहेगा। यह हमारे सामरिक हितों की सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की मजबूती और वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की स्थिति को भी परिभाषित करेगा। प्रधानमंत्री ने 'सुदर्शन सुरक्षा चक्र' की जिस परिकल्पना का उल्लेख किया है, उसमें अंतरिक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता

अंतरिक्ष स्टेशन और मानव मिशनों के सफल संचालन के लिए हमें सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी तकनीकों में आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आज दुनिया जान चुकी है कि सेमीकंडक्टर केवल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग तक सीमित नहीं हैं।

अंतरिक्ष मिशनों में उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी तरह, एआई आधारित प्रणाली और ऊर्जा संसाधनों का बेहतर उपयोग लंबे समय तक चलने वाले अभियानों के लिए अनिवार्य होगा।

यहां यह कहना सही होगा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन केवल धरती पर डिजिटल क्रांति को गति नहीं देगा, बल्कि यह अंतरिक्ष अभियानों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी पर ऊर्जा संकट का समाधान देंगे बल्कि भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भी ऊर्जा स्रोत बनेंगे।

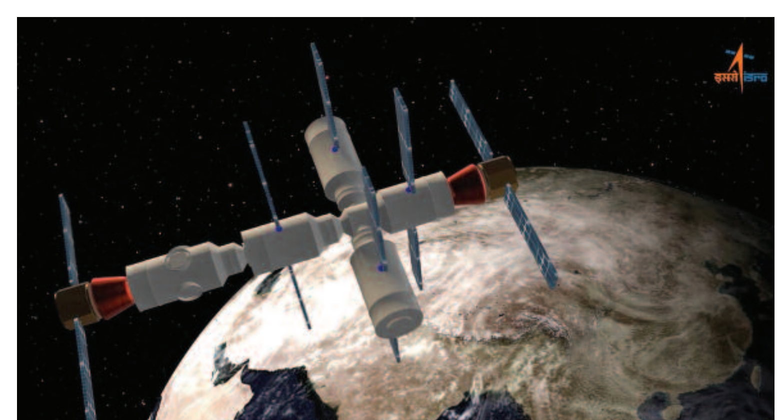

अंतरिक्ष प्रयोग : धरती के लिए लाभकारी

यह एक भ्रम है कि अंतरिक्ष अनुसंधान केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा की तुष्टि के लिए होता है। वाश्तविकता यह है कि अंतरिक्ष प्रयोगों के निष्कर्ष सीधे धरती पर मानव जीवन के लिए उपयोगी होते हैं।

लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क के प्रभाव का अध्ययन, माइक्रोग्रेविटी में पौधों की खेती, पुनर्योजी जीव विज्ञान के प्रयोग, ये सभी आज की दुनिया में बेहद प्रासंगिक हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रेविटी में मेथी उगाने के प्रयोग न केवल अंतरिक्ष यात्रियों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, बल्कि यह कृषि अनुसंधान के लिए भी नई दिशा देंगे।

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और खाद्य संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब ऐसे प्रयोगों का महत्व और भी बढ़ जाता है।

अंतरिक्ष का व्यावसायिक और आर्थिक आयाम

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लगभग 400 स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में सक्रिय हो चुके हैं।

ये स्टार्टअप्स न केवल रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं, बल्कि मैपिंग, स्मार्ट सिटी विकास, कृषि, टेलीमेडिसिन और उपग्रह संचार जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार ला रहे हैं। सरकार ने हाल ही में 1, 000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड मंजूर किया है, जो इन स्टार्टअप्स को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में मदद करेगा। अंतरिक्ष अब युवाओं के लिए आकर्षक करियर विकल्प बन चुका है।

एक समय था जब एयरोस्पेस इंजीनियरिंग को केवल एक विशिष्ट शाखा माना जाता था, लेकिन आज यह आईआईटी जैसे संस्थानों में सबसे अधिक मांग वाला विषय बन चुका है।

सुरक्षा और कूटनीति का नया युग

भारत ने आने वाले पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आज युद्ध केवल जमीन और आसमान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अंतरिक्ष भी उसका अभिन्न हिस्सा बन चुका है। उपग्रहों से मिली जानकारी हमारी सामरिक तैयारी को मजबूत करती है और सीमा पर तैनात सैनिकों को वाश्तविक समय में मदद पहुँचाती है।

ऐसे में इन-स्पेस जैसी संस्थाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी के बावजूद सुरक्षा से कोई समझौता न हो। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया गया है, लेकिन साथ ही कड़े विनियमन भी बनाए रखे गए हैं। यह संतुलन ही भारत को नवाचार और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर सफल बनाता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रतिस्पर्धा

यहां हम सभी के लिए यह भी ध्यान देने योग्य है कि आज जब चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित कर चुका है और अमेरिका-रूस दशकों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, ऐसे समय में भारत का प्रवेश केवल वैज्ञानिक महत्व का नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टि से भी निर्णायक है। गगनयान मिशन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन हमें अंतरराष्ट्रीय मानवयुक्त मिशनों में सहभागी बनाएंगे।

आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन का भी दौर शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र व्यवहार्य होगा, भारत के पास डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन से जुड़े बुनियादी ढांचे का निर्यात करने का अवसर होगा।

इससे न केवल हमारी तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ेगी, बल्कि विदेशी मुद्रा अर्जन के नए राश्ते भी खुलेंगे।

हमारा लक्ष्य स्पष्ट है

भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा है। फिलहाल हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था लगभग आठ अरब डॉलर की है, लेकिन अगले दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है।

यह वृद्धि न केवल हमारी अर्थव्यवस्था को नई गति देगी, बल्कि हमें विश्व मंच पर एक सशक्त खिलाड़ी भी बनाएगी। गगनयान मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रमा पर मानव मिशन और निजी-सरकारी साझेदारी से उभरती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, ये सभी भारत को उस मुकाम तक ले जाएंगे जहाँ से वह विश्वगुरु बनने की दिशा में एक और निर्णायक कदम बढ़ा सकेगा।

भारत का अंतरिक्ष भविष्य केवल विज्ञान या तकनीक तक सीमित नहीं है। यह हमारे आत्मविश्वास, हमारी युवा शक्ति, हमारी महिला वैज्ञानिकों और हमारी सामूहिक आकांक्षा का प्रतिबिंब है।

आज हम कह सकते हैं कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत की सबसे बड़ी पहचान उसका अंतरिक्ष कार्यक्रम ही होगा। यही वह क्षेत्र है, जो हमें न केवल आत्मनिर्भर बनाएगा बल्कि वैश्विक श्तर पर नेतृत्व दिलाएगा।

लेखक, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

एसपी क्राइम द्वारा बरामद शुदा मोबाइलों को उनके स्वामियों को किया गया वितरित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा सीईआईआर पोर्टल पर खोये व गिरे मोबाइलों से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए सर्विलांस की टीम को गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी हेतु दिये गये आदेश-निर्देशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती ममता कुरील के निर्देशन में सर्विलांस सेल व थानों की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अथक प्रयास से विभिन्न कम्पनियों के कुल 209 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन कीमत करीब 38 लाख 55 हजार रुपये बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

गुरूवार को पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील द्वारा पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार में बरामद शुदा मोबाइलों को उनके वाश्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया गया। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आवेदकों द्वारा अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एसएसपी अलीगढ़ व स्वाट व सर्विलांस टीमों को धन्यवाद प्रकट करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

परिवार परामर्श केन्द्र ने तीन परिवारों को टूटने से बचाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पारिवारिक समस्याओं व मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर तीन जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया गया।

गुरूवार को परिवार परामर्श केंद्र, अलीगढ़ में कुल तीन पारिवारिक मामलों पहला प्रकरण थाना सिविल लाइन अलीगढ़ की रहने वाली तरन्नुम (परिवर्तित नाम) एवं अतरौली के रहने वाले शकील (परिवर्तित नाम) का था, दूसरा प्रकरण मंजरी (परिवर्तित नाम) तथा धनंजय (परिवर्तित नाम) निवासीगण क्वार्सी अलीगढ़ का था व तीसरा प्रकरण थाना जवां के रहने वाले हुस्ना(परिवर्तित नाम) तथा शादाब(परिवर्तित नाम) का था का सफल निश्तारण किया गया। इन सभी मामलो में परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक श्रीमती शिखा त्यागी तथा काउंसलर डॉ0 देवेंद्र कुमार, अमित अग्रवाल, बृजेश मिश्रा, प्रेम कुमार शर्मा व विनोद तिवारी के प्रयासों से पक्षकारों के बीच आपसी सुलह समझौता कराया, परिणामस्वरूप सभी दंपतियों ने पुराने मतभेद भुलाकर आपसी सहमति से साथ रहने का निर्णय लिया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विशतारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनआईआरएफ रैंकिंग 2025, मुक्त विश्वविद्यालय श्रेणी में इग्नू प्रथम

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2025 में मुक्त विश्वविद्यालय श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। लगातार दूसरी बार मिले इस सम्मान से इग्नू ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका को पुनः स्थापित किया है।

इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने इसे पूरे इग्नू परिवार की सामूहिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य हैकृ सभी तक, हर जगह, गुणवत्तापूर्ण और सश्ती शिक्षा पहुँचाना। उन्होंने कहा कि डिजिटल और स्थानीय भाषाओं पर आधारित मल्टीमीडिया संसाधनों के माध्यम से शिक्षा को और अधिक समावेशी बनाया जाएगा। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2015 में शुरू की गई एनआईआरएफ रैंकिंग शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान, स्नातक परिणाम, समावेशिता और धारणा जैसे मानदंडों पर आधारित होती है। विश्व का सबसे बड़ा मुक्त विश्वविद्यालय होने के नाते, इग्नू अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचारों के बल पर शिक्षा के लोकतांत्रिकरण का सशक्त माध्यम बना हुआ है। डॉ. अजय वर्धन आचार्य क्षेत्रीय निदेशक इग्नू ने कहा कि यह उपलब्धि हासिल करना इग्नू परिवार के लिए गौरव की बात है।

जलभराव की समस्या से जल्द मिलेगी राहत 3 ड्रेनेज पंपिंग होगी स्टेशन निर्माण से जलनिकासी

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

शहर की जल भराव की जटिल समस्या से निजात दिलाने के लिए 'प्रयासरत नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने रामघाट रोड, मैरिस रोड, केला नगर चौराहा, अब्दुल करीम चौराहा, दोदपुर, मलखान नगर, दीवानी परिसर, जवाहर भवन, सराय रहमान, रसूलगंज, नई बश्ती, चरखवालान, शाहजमाल, खैर रोड, नगला मसानी, हड्डी गोदाम, पंत नगर, देहलीगेट, तुर्कमान गेट, सराय मियाँ, सराय कावा आदि स्थानों पर भारी बारिश के समय होने वाले परंपरागत जल भराव की समस्या के निदान के लिए तीन नए ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन के निर्माण का प्रश्ताव व कार्ययोजना को शासन के समक्ष स्वीकृति के लिए भेजा है।

उत्तर प्रदेश शासन से इस प्रश्ताव की स्वीकृति मिलने के साथ ही अलीगढ़ की दशकों पुरानी इन क्षेत्रों की जल भराव की समस्या से राहत मिलने की संभावना है। इस प्रश्ताव की स्वीकृति एवं निर्माण होने से इन क्षेत्र के लाखों लोगो को हर साल बरसात में जलजमाव से उत्पन्न परेशानियों से राहत मिलेगी।

नगर आयुक्त ने बताया कि शहर के अनेक मोहल्लों एवं मुख्य मार्गों पर वर्षा ऋतु के दौरान जलभराव एक गंभीर समस्या बन जाती है। शहर में जलभराव के स्थायी समाधान हेतु नगर निगम ने तीन स्थलों पर ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन निर्माण का प्रश्ताव तैयार किया है। रामघाट रोड, मैरिस रोड, केला नगर चौराहा, अब्दुल करीम चौराहा, दोदपुर आदि क्षेत्रों में प्रशतावित है।

इन क्षेत्रों में बरसात के दिनों में भारी जलभराव होता है, जिससे आमजन को अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहाँ जाफरी ड्रेन के माध्यम से जल निकासी होती है, किंतु उसकी क्षमता सीमित है।

इस स्थिति में रामघाट रोड ओजोन कट पर नया पंपिंग स्टेशन प्रशतावित किया गया है। लगभग 1500 किलोलीटर क्षमता वाले इस स्टेशन पर 990.00 लाख की लागत आएगी। मलखान नगर, दीवानी परिसर, जवाहर भवन, सराय रहमान, रसूलगंज, नई बश्ती आदि क्षेत्रों के लिए प्रशतावित है। यहाँ से अल्लीगढ़ ड्रेन होकर पानी की निकासी होती है। प्रशतावित कार्य के तहत सराय रहमान ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन का जीर्णोद्धार एवं पंपिंग क्षमता वृद्धि की जाएगी।

इस कार्य पर लगभग रूपये 775.00 लाख की लागत आएगी और यह क्षेत्रीय निवासियों के लिए बड़ी राहत का साधन बनेगा। चरखवालान, शाहजमाल, खैर रोड, नगला मसानी, हड्डी गोदाम, पंत नगर, देहलीगेट, तुर्कमान गेट, सराय मियाँ, सराय कावा आदि क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु प्रश्तावित है।

इन क्षेत्रों का जल भी अलीगढ़ ड्रेन से होकर निकलता है, परंतु भारी बरसात के समय जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न होती है। चरखवालान में नए पंपिंग स्टेशन के निर्माण पर रूपये 875.00 लाख की लागत का अनुमान है। नगर आयुक्त ने बताया कि इन तीनों पंपिंग स्टेशनों के निर्माण पर कुल रूपये 2640.00 लाख की लागत आएगी। यह योजना अलीगढ़ शहर के लगभग 10 लाख नागरिकों एवं स्थानीय व्यापारियों को जलभराव की समस्या से राहत दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी।

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व पर उन्हें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है इस जनहित प्रश्ताव पर जल्द शासन श्तर से स्वीकृति मिलेगी और आगामी वर्षा ऋतु से पहले नागरिकों को राहत मिल सकेगी।

सभापति उत्तर प्रदेश मत्स्यजीवी सहकारी संघ ने की विभागीय समीक्षा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सभापति उत्तर प्रदेश मत्स्यजीवी सहकारी संघ लिमिटेड वीरू साहनी द्वारा गुरूवार को सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ मत्स्य पालकों के हित में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई।

सभापति ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा मत्स्य पालकों के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, आवश्यकता समुचित प्रचार-प्रसार कर पूरी पारदर्शिता से उनको धरातल पर योजनाओं को लागू करने की है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मत्स्य पालकों के हित में सहकारी समितियों को भी अब निषादराज बोट सब्सिडी योजना में आवेदन करने की छूट प्रदान करने के साथ ही हैसियत प्रमाण पत्र की बाध्यता समाप्त की गई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में अवस्थित सभी तालाबों को कब्जामुक्त कराते हुए उनका आवंटन सुनिश्चित किया जाए, इससे जहां एक ओर सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी वहीं मत्स्यपालकों को रोजगार के और अधिक अवसर सृजित होंगे। बैठक का संचालन करते हुए सहायक निदेशक मत्स्य प्रियंका आर्या ने बताया कि जिले में 950 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 1234 तालाब हैं जिनमें से अब तक 666 हैक्टेयर के 752 तालाबों का आवंटन हो गया है। उन्होंने बताया कि 36 लाख मत्स्य बीज वितरण के सापेक्ष 38 लाख का वितरण कर दिया गया है। निषादराज बोट सब्सिडी योजना में 24-25 में 02 के लक्ष्य के सापेक्ष 02 को लाभान्वित किया गया। 25-26 में 02 के लक्ष्य के सापेक्ष 03 को स्वीकृत कर शासन को भेजा गया है। मोपेड विद आइस बॉक्स योजना में 03 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। जबकि प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए 08 के लक्ष्य के सापेक्ष पोर्टल पर 08 आवेदन प्राप्त हुए हैं। मछुआ बाहुल्य ग्राम अकराबाद के बरहद में 11 सोलर स्ट्रीट लाइट एवं 02 हाई मास्ट लाइट स्थापित कराई गई हैं। सघन मत्स्य पालन के लिए एयरेशन सिस्टम की स्थापना के तहत विगत वर्ष 04 को लाभान्वित किया गया जबकि इस वर्ष 03 को प्रशतावित किया गया है। उन्होंने बताया कि केसीसी कार्ड की प्रगति में 105 के लक्ष्य के सापेक्ष 109 स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं जिनमें से केवल 01 मत्स्य पालका का केसीसी स्वीकृत हुआ है।

मा0 सभापति केसीसी की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बैंकर्स के साथ समन्वय बैठक आयोजित कर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन योजनाओं में लक्ष्य कम है।

सांसद खेल महोत्सव, छिपी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सांसद खेल महोत्सव अब गांव-गांव और गली-गली की छिपी खेल प्रतिभाओं को बड़ा मंच देने जा रहा है।

सांसद सतीश कुमार गौतम ने कहा कि अब खिलाड़ियों के चयन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता, योग्य खिलाड़ी ही आगे बढ़ते हैं और पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सांसद खेल महोत्सव आगामी 21 सितम्बर से आरंभ होकर 25 दिसम्बर तक आयोजित होगा, जिसमें सभी वर्गों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे।

इस संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 सांसद श्री गौतम ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने खेलों को गांव-गांव तक पहुँचाया है। खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीकरण सुनिश्चित कराने के लिए शिक्षण संस्थाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण 29 अगश्त से 20 सितम्बर 2025 तक होंगे। प्रतिभागी आयु वर्ग 12 से 17 वर्ष एवं 17 वर्ष से अधिक ओपन वर्ग में पंजीकृत हो सकेंगे।

पंजीकरण केंद्र सरकार द्वारा जारी मोबाइल एप के माध्यम से होगा। खेलों का आयोजन ग्राम, ब्लॉक एवं जिला श्तर पर होगा। खेल दो श्रेणियों में होंगे। राष्ट्रीय खेल में एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, बॉलीवाल, फुटबॉल और क्षेत्रीय खेल में रस्साकसी, पंजा कुश्ती, खो-खो होंगे। जनपदीय प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, पावर लिफ्टिंग, कराटे, ताइक्वांडो, योग, मिनी मैराथन होंगे। वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, मूक बधिर एवं थर्ड जेण्डर के लिए रस्साकसी, क्रिकेट एवं योग को रखा गया है।

सांसद गौतम ने खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर खेल महोत्सव को सफल बनाएं और जिले की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय श्तर तक पहुँचाने में योगदान दें।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा कृष्ण पाल सिंह, जिला महामंत्री शिवनारायण शर्मा, जिलाधिकारी संजीव रंजन, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम पंकज कुमार, सीएमओ डॉ0 नीरज त्यागी, पीडी भालचंद त्रिपाठी, डीडीओ आलोक आर्या, डीसी मनरेगा अनुज सक्सेना, डीआईओएस पूरन सिंह, बीएसए राकेश कुमार, ओलम्पिक संघ से मज़हर-उल-कमर, जिला युवा अधिकारी तन्वी अग्रवाल, जिला क्रीड़ा अधिकारी राम मिलन, अर्जुन फकीरा, युवा कल्याण अधिकारी जे0पी0 सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख, बीडीओ, एडीओ, अधिकारीगण एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सदन लाल ने किया कार्यभार ग्रहण

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सदन लाल ने गुरुवार को संयुक्त निदेशक अभियोजन संतोष उपाध्याय को बुके भेंट कर योगदान आख्या प्रस्तुत की। सदन लाल का स्थानांतरण पीटीएस मुरादाबाद से हुआ है।

अब वे अलीगढ़ जिले में वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी (एसपीओ) के पद पर शासकीय सेवाएं देंगे। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सदन लाल मूल रूप से जनपद मऊ के निवासी हैं। अलीगढ़ स्थानांतरण से पूर्व वे पीटीएस मुरादाबाद में अपनी सेवाएं दे रहे थे। इससे पूर्व आप प्रयागराज, लखनऊ, बाराबंकी में शासकीय सेवाएं दे चुके हैं।

पीईटी 2025: 46 जिलों में परीक्षार्थियों के लिए अतिरिक्त बस चलाने के निर्देश, शनिवार-रविवार को होना है एग्जाम

लखनऊ , एजेंसी। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह ने 6 व 7 सितंबर को होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) को देखते हुए समुचित बस सेवा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों व उनके परिजनों की सुविधा के लिए परीक्षा वाले सभी 46 जिलों के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जाएं। सभी बस स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था भी चुस्त-दुरुस्त रखें। मंत्री के आदेश के बाद परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रीय प्रबंधक संबंधित प्रशासन के संपर्क में रहें। साथ ही निगम हेल्पलाइन 18001802877 को फ्लैक्स पर अंकित कराएं। ताकि अभ्यर्थियों को आकस्मिक समय में सहायता मिल सके। महिलाओं के लिए दामिनी हेल्पलाइन नंबर 8114277777 भी अंकित कराया जाए।

ये रहेगा परीक्षा पैटर्न

यूपी पीईटी 2025 ऑफलाइन मोड में होगी। परीक्षा में कुल 100 प्रश्न होंगे और हर प्रश्न 1 अंक का होगा। गलत उत्तर देने पर 0.25 अंक काटे जाएंगे। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को 2 घंटे का समय मिलेगा। प्रश्न हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होंगे।

परीक्षा में शामिल विषय हैंः सामान्य ज्ञान, हिंदी, रीजनिंग, गणित, सामान्य विज्ञान, करंट अफेयर्स और डेटा इंटरप्रिटेशन। अनदेखे पैसेज , ग्राफ और टेबल एनालिसिस जैसे हिस्सों से लगभग 30 अंक के सवाल पूछे जाएंगे।

अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड के साथ पहचान पत्र, पानी की बोतल, मास्क और बॉलपॉइंट पेन लाना अनिवार्य है। अंकन योजना के अनुसार, सही उत्तर पर 1 अंक मिलेगा और गलत उत्तर पर 0.25 अंक काटे जाएंगे।

चोर-चोर, पकड़ो-पकड़ो का शोर, आगरा के आधा दर्जन मोहल्लों की नींद हुई हराम...दहशत में रात भर जग रहे लोग

आगरा, एजेंसी। चोर-चोर, पकड़ो-पकड़ो...। सराय ख्वाजा के आधा दर्जन मोहल्लों में रोजाना यही आवाज सुनाई दे रही है। लोग रात में 12 से तड़के 4 बजे तक घरों के बाहर और छत पर गश्त करते हैं। अंजान व्यक्ति नजर आता है तो उसके पीछे दौड़ने लगते हैं। इसके पीछे वजह एक ही है चोरों की चहलकदमी। लोगों का कहना है कि अक्सर संदिग्ध नजर आ रहे हैं। अगर कोई पीछा करता है घर से कूदकर भाग जाते हैं।

होटल व्यवसायी आसिफ खान ने बताया कि वह दो दिन पहले वह छत पर बैठे हुए थे। तभी मोहल्ले में शोर होने लगा। वह दौड़कर आए। तभी एक व्यक्ति भागता नजर आया। वह छत से उतर रहा था। गली में आने के बाद चला गया। कुछ लोग उसके पीछे दौड़े, लेकिन वो अंधेरे में चला गया। इस वजह से लोग सो नहीं पा रहे हैं। घरों और गलियों की चौकीदारी में लगे हुए हैं। एक ही मोहल्ला नहीं, बल्कि सराय ख्वाजा, रसूलपुर, मेहराब खां, ख्वासपुरा, कमला खां में इसी तरह से लोग परेशान हैं।

कंचन, अर्जुन कुशवाह ने बताया कि 1 सप्ताह से क्षेत्र में दहशत है। चर्चा है कि एक गिरोह सक्रिय हो गया है। यह कच्छा-बनियानधारी हो सकता है। वह अंधेरे में घर की छत और गली में आते हैं। शरीर पर काला पदार्थ लगा होने की वजह से नजर नहीं आते हैं। गली में ज्यादातर लोग घरों की छत और कमरा खोलकर सोते हैं। ऐसे में यह गिरोह बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है।

घरों में दो लोग जागकर काट रहे हैं शिवा ने बताया कि वह लोग घर में बैठे हुए थे। तभी शोर होने लगा। जब वो बाहर आए तो एक व्यक्ति भागता नजर आया। पड़ोसी के घर की खिड़की के ऊपर लगा पत्थर भी टूट गया। सभी लोगों ने अंजान व्यक्ति को भागते हुए देखा। डर की वजह से घरों में सभी लोग टार्च ले आए हैं। दूर से देखते रहते हैं। डंडे भी पास में रखते हैं। जिससे कोई पास आए तो पकड़ा जा सके। रात में 12 से तड़के 4 बजे तक लोग जगह-जगह झुंड में गश्त करते हैं। घरों में दो लोग जागकर काटते हैं।

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि सराय ख्वाजा पुलिस चौकी की पुलिस को मोहल्लों में भेजा जाएगा। पीआरवी की गश्त को बढ़ाया जाएगा। अगर किसी तरह की समस्या है तो लोग सीधे पुलिस के 112 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। तत्काल पुलिस पहुंचेगी। अगर किसी तरह का गिरोह सक्रिय है तो उसे टीम लगाकर गिरफ्तार किया जाएगा।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं व पुलिस के बयान दर्ज, आज सीएम को सौंपेंगे रिपोर्ट

बाराबंकी , एजेंसी। श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में सोमवार को भड़के बवाल की जांच अब उच्चस्तर पर पहुंच गई है। अयोध्या मंडल के कमिश्नर राजेश कुमार और आईजी प्रवीण कुमार ने पुलिस अधिकारियों के साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकर्ताओं के बयान दर्ज किए। जांच टीम को यूनिवर्सिटी प्रशासन व पुलिस की ओर से 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई गई है। लाठीचार्ज से पहले छात्रों और लखनऊ से पहुंचे बाहरी लोगों के बीच हुई भिड़ंत पर अधिकारियों की नजर है। बुधवार को जांच करीब पूरी कर ली गई। बृहस्पतिवार को रिपोर्ट सीएम को सौंप दी जाएगी।

सोमवार को यूनिवर्सिटी में एलएलबी व बीबीए की मान्यता न मिलने का मुद्दा छात्रों ने जोर-शोर से उठाया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने यूनिवर्सिटी का मुख्य गेट बंद कर दिया था। इसी दौरान एबीवीपी के प्रांत संगठन मंत्री पुष्पेंद्र सिंह समेत संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। गेट खोलने को लेकर छात्रों और कुछ बाहरी लोगों में विवाद इतना बढ़ा कि हालात बिगड़ गए और पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

मंगलवार को जांच के दौरान कमिश्नर और आईजी ने एबीवीपी के 12 से अधिक कार्यकर्ताओं के बयान दर्ज किए। इसके साथ मौके पर मौजूद सीओ हर्षित चौहान सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों के बयान भी लिए। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ का दायरा और बढ़ाया जाएगा, ताकि लाठीचार्ज से पहले और बाद के घटनाक्रम की कड़ी जुड़ सके। घटना में पुलिस चौकी पर हमले और कई छात्रों के घायल होने की बात सामने आई थी, वहीं बिना मान्यता के पढ़ाई कराए जाने को लेकर भी छात्रों में गहरा आक्रोश देखने को मिला था। अभी तक न तो किसी छात्र पर और न ही यूनिवर्सिटी प्रबंधन या प्रशासनिक स्तर पर कोई मुकदमा दर्ज कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मामले का संज्ञान लिया है और अयोध्या कमिश्नर व आईजी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। ऐसे में अब सबकी निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं, जो आने वाले दिनों में पूरे घटनाक्रम की दिशा तय करेगी।

समाज में नकारात्मक एजेंडा चलाती है कांग्रेस, आजमगढ़ में भाजपा नेता भूपेंद्र चौधरी ने कही ये बात

आजमगढ़, एजेंसी। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय के पिता आद्या प्रसाद राय की चौथी पुण्यतिथि पर बुधवार को जनपद में पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने श्रद्धांजलि दी। जिले के बड़ा गणेश मंदिर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जीवन में मां-बाप की छाया बच्चों में दिखती है।

कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर की गई अभद्र टिप्पणी के सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कहना है कि या बहुत ही दुखद है लोकतंत्र में जनता का निर्णय अंतिम निर्णय होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है। और विपक्ष लगातार पराजित हो रहा है। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ बयान बाजी कांग्रेस पार्टी के लोग कर रहे हैं। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। विपक्ष के लोग अपनी पराजय को सुनिश्चित मानकर इस तरह की बयान बाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में नकारात्मक एजेंडा कांग्रेस पार्टी चलाती है। कांग्रेस पार्टी के ही लोग इसे और आगे बढ़ा रहे हैं। जिस तरह से विपक्ष के लोग संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं वह निश्चित रूप से जनादेश का अपमान है। विपक्ष के लोग संवैधानिक संस्थाओं इलेक्शन कमीशन के बारे में जिस तरह से अनावश्यक और अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं। यह केजरीवाल पैटर्न है। ऐसे लोगों को यूपी और देश की जनता माफ नहीं करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और विपक्ष के लोग अपनी पराजय सुनिश्चित मानकर नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं। बिहार के चुनाव पर कहा कि भाजपा अपनी सरकारों का लेखा-जोखा लेकर बिहार जाएगी और आने वाले समय में भी एनडीए की ही सरकार बनेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

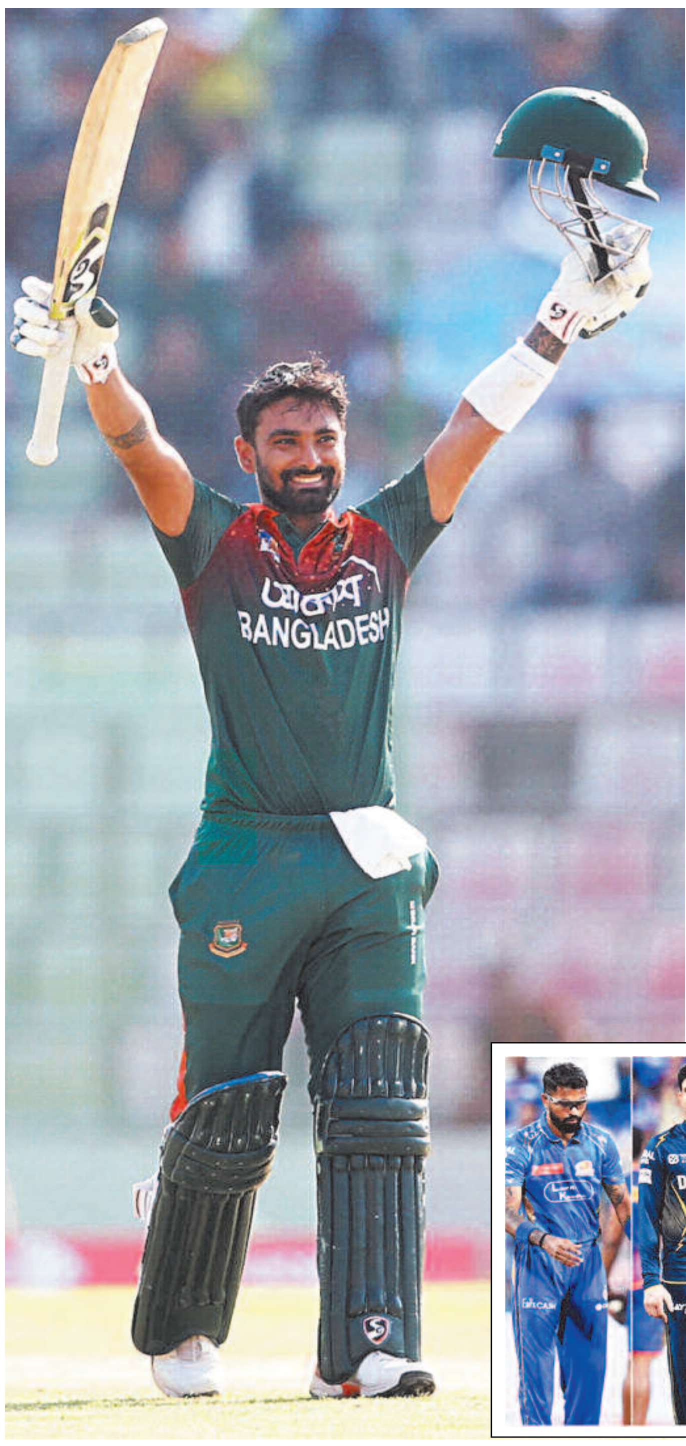

एशिया कप से पहले

बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में 73 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली. एशिया कप अभियान से पहले ये उनके मनोबल को बढ़ाएगा. हालांकि बारिश के कारण तीसरा टी20 रद्द हो गया और 3 मैचों की सीरीज बांग्लादेश ने 2-0 से अपने नाम की. तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाकर लिटन दास ने शाकिब अल हसन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा.

तीसरे टी20 में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. कप्तान लिटन दास सैफ हसन के साथ ओपनिंग पर उतरे, उन्होंने 46 गेंदों में 158.70 की स्ट्राइक रेट से 73 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 4 छक्के और 6 चौके जड़े. 18.2 ओवरों तक बांग्लादेश का स्कोर 164/4 था, जब बारिश की वजह से मैच रुका और फिर इसके बाद दोबारा शुरू नहीं हो सका.

लिटन दास इस लिस्ट में बने नंबर-1: इस अर्धशतकीय पारी के बाद लिटन दास बांग्लादेश के लिए अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. पहले टॉप पर शाकिब अल हसन थे, जिन्होंने 129 मैचों की 127 पारियों में 13 अर्धशतक लगाए हैं.

लिटन दास का ये 14वां टी20 अर्धशतक है, वह इस लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं. उनके टी20 करियर की बात करें तो 110 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 2437 रन बनाए हैं, इसमें 77 छक्के और 235 चौके हैं.

वर्ल्ड में नंबर-1 है विराट कोहली!: दुनिया में सबसे ज्यादा टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 50 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली संयुक्त रूप से बाबर आजम के साथ टॉप पर है. दोनों ने 39-39 बार ऐसा किया है. विराट कोहली टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जबकि बाबर आजम अभी टीम से बाहर चल रहे हैं. बाबर एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान स्क्वाड में नहीं चुने गए.

अंतर्राष्ट्रीय टी20 में सबसे ज्यादा 50+ रन

विराट कोहली (भारत)- 39
बाबर आजम (पाकिस्तान)- 39
रोहित शर्मा (भारत)- 37
मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान)- 31
डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलिया)- 29

बांग्लादेश क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 के ग्रुप बी में शामिल है. उनके साथ इस ग्रुप में अफगानिस्तान, श्रीलंका और हांगकांग की टीम है. ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई हैं. बांग्लादेश का पहला मैच 11 सितंबर को हांगकांग के साथ है.

आईपीएल टिकटों पर 40 प्रतिशत टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी। दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा।

सुरुचि सिंह ने सिर्फ मनु भाकर ही नहीं, इन धुरंधर चीन की शूटरों को भी पछाड़ा, बनीं वर्ल्ड नंबर वन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शूटिंग के लिए गर्व का पल है। युवा भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शानदार विश्व कप सीजन के बाद करियर में पहली बार महिला एयर पिस्टल में विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। उन्होंने न सिर्फ ओलंपिक में दो मेडल जी चुकी देश की सूरमा बंदूकबाज मनु भाकर को पीछे छोड़, बल्कि कई बड़ी चीनी शूटरों पर भी भारी पड़ीं। सुरुचि 4162 अंकों के साथ वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर हैं और अगले तीन चीनी निशानेबाजों से आगे हैं। उन्होंने इसी साल सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया और लगातार तीन व्यक्तिगत विश्व कप खिताब जीतकर अपने करियर की शानदार शुरुआत की। यह उपलब्धि 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, क्योंकि वह अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हैं। सरुचि की हमवतन और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर वर्तमान में 1988 की रेटिंग के साथ महिला एयर पिस्टल विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर हैं। मौजूदा एशियाई चैंपियन, सिफत कौर समरा, महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन श्रेणी में वर्तमान आईएसएसएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल एकमात्र अन्य भारतीय निशानेबाज हैं। वह वर्तमान में 3034 की रेटिंग के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर हैं, जो नॉर्वे की म्यूनिख विश्व कप चैंपियन जीनेट हेग डुएस्टैड से थोड़ा पीछे है।

एशिया कप हॉकी: महिला एशिया कप हॉकी में नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम, पहला मैच इस टीम से

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से परेशान भारतीय महिला हॉकी टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम पूल बी के मैच में 30वीं रैंकिंग वाली थाईलैंड टीम से खेलेगी।

भारत पूल में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है जिसमें जापान (12), थाईलैंड और सिंगापुर (31) भी है। पूल ए में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया और चीनी ताइपे हैं। चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। थाईलैंड के बाद भारत का सामना शनिवार को जापान से और आठ सितंबर को सिंगापुर से होगा। अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर दीपिका को लगी चोटों से भारतीय टीम कमजोर हुई है।

सविता टखने की चोट के कारण बाहर है जो उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। दीपिका की जगह साक्षी खेल रही हैं। फॉरवर्ड और ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने पिछले कुछ अर्से में शानदार प्रदर्शन किया है। इन दोनों के नहीं खेलने से कप्तान सलीमा टेटे, नवनीत कौर, उदिता, नेहा, शर्मिला देवी और लालरेम्सियामी पर अधिक दारोमदार होगा। भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है और एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में आखिरी स्थान पर रहने के बाद टीम नीचे खिसक गई। भारत ने एशिया कप 2004 और 2017 में जीता है।

एशिया कप 2025:

12 गेंद में अर्धशतक ठोकने वाला बना कप्तान, पाकिस्तान छोड़ते ही चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के लिए यूएई की टीम ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में 17 खिलाड़ी चुने गए हैं जिसकी कप्तानी मुहम्मद वसीम को मिली है. मुहम्मद वसीम यूएई के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हैं, वो पिछले दो सालों से टी20 क्रिकेट में कमाल प्रदर्शन कर रहे हैं और 2023 में ही उन्हें टी20 टीम की कप्तानी मिली थी और एशिया कप जीतने के लिए अब यूएई ने उनपर ही भरोसा दिखाया है. यूएई की टीम की बात करें तो वो ग्रुप ए में भारत, ओमान और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी. यूएई का पहला मैच 10 सितंबर को भारत से है. ये मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा.

मुहम्मद वसीम (कप्तान), आलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, इथा डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतिउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहेब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह और सागिर खान.

मुहम्मद वसीम को मिली कप्तानी

मुहम्मद वसीम को यूएई का कप्तान मिली है जो कि यूएई ही नहीं पूरे गल्फ के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं. दाएं हाथ का ये ओपनर हाल ही में टी20 में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला कप्तान बना है. मुहम्मद वसीम ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा था. मुहम्मद वसीम पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पैदा हुए लेकिन साल 2017 में वो यूएई आ गए. यहां उन्होंने सेल्समैन की नौकरी करते हुए क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया और जल्द ही वो देश के टॉप खिलाड़ियों में शामिल हो गए.

31 साल के इस खिलाड़ी ने यूएई के लिए 80 टी20 मैचों में 38 से ज्यादा की औसत से 2859 रन बनाए हैं. टी20 इंटरनेशनल में वसीम 3 शतक ठोक चुके हैं. उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से ज्यादा का है. ये खिलाड़ी टी10 टूर्नामेंट में सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाने का कमाल कर चुका है. गजब की बात ये है कि मुहम्मद वसीम ने गली में टेप बॉल क्रिकेट खेला है और उसी तकनीक से वो इंटरनेशनल क्रिकेट में भी छक्कों की बारिश करते हैं. अब देखना ये है कि ये खिलाड़ी एशिया कप में क्या करता है. वैसे उनकी फॉर्म इस वक्त कमाल है. वो ट्राई सीरीज में पाकिस्तान के खिलाफ 33 और अफगानिस्तान के खिलाफ 67 रनों की धुआंधार पारी खेल चुके हैं.

यूपी टी20 लीग में मैच फिक्सिंग का साया! मन-मुताबिक खेलने की फिक्सर ने की डिमांड...

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी टी-20 लीग 2025 में मैच फिक्सिंग की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है. काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन चौहान को सोशल मीडिया के जरिए एक करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया. आरोप है कि फिक्सर चाहता था कि टीम का एक खिलाड़ी उसकी बताई गई रणनीति के हिसाब से खेले. इस प्रस्ताव को अर्जुन चौहान ने तुरंत ठुकरा दिया और इसकी जानकारी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) को दी. मैच फिक्सर ने कैसे रचा फिक्सिंग का षडयंत्र?

बीसीसीआई की पड़ताल में सामने आया कि संदिग्ध यूजर लगातार अर्जुन से बातचीत करने की कोशिश कर रहा था और उस पर दबाव बना रहा था. पहले प्रमोशन कराने की बात की गई, फिर कॉल करने का प्रयास हुआ और इसके बाद मैच फिक्स करने का सीधा प्रस्ताव रख दिया गया. यूजर ने कहा कि एक करोड़ रुपये मिलेंगे, जिसमें से 50 लाख अर्जुन अपने पास रख सकते हैं. रकम अमेरिकी डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने की बात भी कही गई.

इस पूरे मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के क्षेत्रीय सत्यनिष्ठा प्रबंधक हरदयाल सिंह चंपावत ने शिकायत दर्ज कराई है. वह एंटी करप्शन यूनिट, मध्य क्षेत्र जयपुर में पदस्थ हैं और फिलहाल लखनऊ में तैनात हैं. चंपावत ने बताया कि अर्जुन की सजगता से यह साजिश सामने आ सकी और बीसीसीआई ने इसकी गंभीरता से जांच शुरू कर दी है.

अमित मिश्रा ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज लेग स्पिनर रहे अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। वह आईपीएल में भी खेलते नजर नहीं आएंगे। मिश्रा को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पर्याप्त मौके नहीं मिले , लेकिन आईपीएल का वह एक बड़ा चेहरा रहे हैं। 2008 से 2024 के बीच अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहते हुए उन्होंने लीग के सफलतम गेंदबाजों में अपना नाम शुमार किया है। अमित मिश्रा 2008 से 2024 के बीच दिल्ली डेयरडेविल्स, डेक्कन चार्जर्स , सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और एलएसजी के लिए खेले। इस दौरान मिश्रा ने 162 मैचों में 174 विकेट लिए। अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास में तीन बार हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। तीनों हैट्रिक उन्होंने अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए लिए हैं। मिश्रा ने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में डेक्कन चार्जेस और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए हैट्रिक लिए। आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में अमित मिश्रा आठवें स्थान पर हैं। 2020 लेकर 2024 के मिश्रा को सिर्फ 15 मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने 17 विकेट मिले। पिछले चार साल में अगर उन्हें पर्याप्त मौके मिले होते तो आईपीएल के सफलतम गेंदबाजों की सूची में उनका नाम और ऊपर होता। अमित मिश्रा ने 2003 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया था।

2008 में टेस्ट और 2010 में टी20 में उन्होंने डेब्यू किया था। 2017 के बाद से उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। मिश्रा एक बेहतरीन लेग स्पिनर रहे हैं। 2003 से लेकर 2017 के बीच 22 टेस्ट में 76, 36 वनडे में 64 और 10 टी20 में 16 विकेट उन्होंने लिए। वह निचले क्रम के एक उपयोगी बल्लेबाज भी रहे। टेस्ट में उनके चार अर्धशतक हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 84 है, जो उन्होंने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में टेस्ट में बनाया था।

जानिए अभिषेक शर्मा की 5 बड़ी बातें

उधार का बैट लेकर ठोका शतक 7 मैचों में बनाए 1200 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने दूसरे ही टी-20 मैच में शतक ठोकने वाले टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 25 साल के हो गए हैं. उन्होंने जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दूसरे ही मैच में शतक बनाया था. इस दौरान हैरान करने देने वाली बात ये थी कि उन्होंने ये शतक उधार के बल्ले से ठोका था. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज अब तक टी-20 में दो शतक ठोक चुका. इससे पहले भी इस खिलाड़ी ने कई कमाल की पारियां खेली थी. उन्होंने केवल 7 मैचों 1200 से ज्यादा रन बनाकर सबको हैरान कर दिया था. आइए हम उनके बारे में पांच बड़ी बातें आपके साथ साझा करते हैं. अभिषेक शर्मा ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ की थी. पहले मैच में वो खाता भी नहीं खोल पाए थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने कमाल कर दिया. उन्होंने अपने दोस्त शुभमन गिल के बल्ले से शानदार शतक ठोक दिया.

अभिषेक शर्मा ने केवल 47 गेंदों में 8 छक्के और 7 चौकों की मदद से 100 रनों की पारी खेली. शुभमन गिल अभिषेक के बचपन के दोस्त हैं. जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार पारी खेलने से पहले ही अभिषेक ने बड़ा कमाल किया था. 4 सितंबर को अभिषेक शर्मा को बर्थडे था.